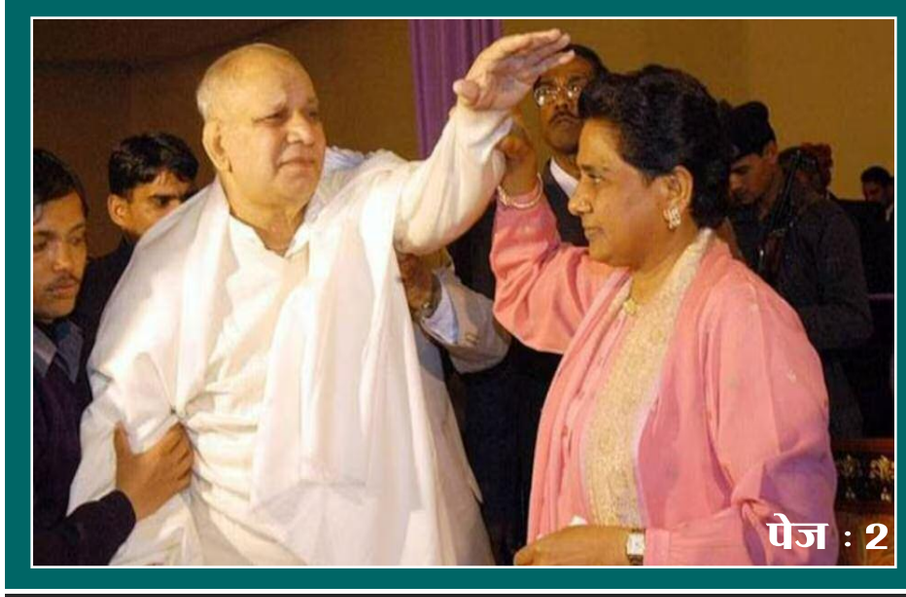

पेज : 2

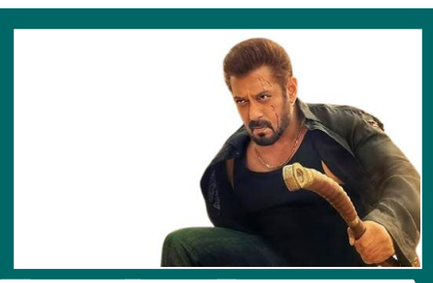

पेज : 8

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

सबसे बड़ी खबर

भत्य खबर

RNI No.- DELHIN/2016/68043

नई दिल्ली संस्करण, नई दिल्ली, गुरुवार, 6 मार्च 2025, वर्ष : 8, अंक : 340 पृष्ठ : 08, मूल्य : 02 रुपया

नई दिल्ली से प्रकाशित व दिल्ली, एनसीआर, यूपी, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, बिहार, झारखण्ड, महाराष्ट्र, गुजरात में प्रसारित

भूकंप से हिले नॉर्थ-ईस्ट के कई राज्य, तीव्रता 5.6 मापी गई

-घबराए लोग घरों से बाहर निकले

नई दिल्ली। असम और मणिपुर समेत पूर्वोत्तर भारत के कई राज्यों में बुधवार सुबह करीब 11 बजे के आस-पास भूकंप के तेज झटकों से लोगों में भय का वातावरण निर्मित हो गया। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.6 मापी गई है। भूकंप के कारण असम के अलावा मणिपुर और नागालैंड में भी धरती में कंपन महसूस किए गए। राहत की बात यह रही कि भूकंप से किसी तरह के जान-माल का नुकसान होने की कोई खबर नहीं है। बुधवार सुबह करीब 11.06 बजे भूकंप के झटके महसूस होने पर लोग भयभीत हो गए और अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए। पूर्वोत्तर भारत के मणिपुर के याइरीपोक इलाके में भूकंप से धरती कांपी है। जानकारी अनुसार स्थानीय समयानुसार ठीक 11:06 बजे रिक्टर पैमाने पर 5.6 तीव्रता का एक मध्यम भूकंप का झटका महसूस किया गया। इसकी गहराई धरती के अंदर 44 किलोमीटर बताई गई, और इसका केंद्र याइरीपोक शहर से 44 किलोमीटर पूर्व में बताया गया।

अभिनेत्री रान्या राव तस्करी करती पकड़ाई, बेल्ट में छिपा रखी थी सोने की छड़ें

- पुलिस ने गिरफ्तार कर 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

बेंगलुरु। सैंडलवुड अभिनेत्री रान्या राव को केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर राजस्व खुफिया निदेशालय की टीम ने सोने की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। रान्या दुबई से बेंगलुरु पहुंची थीं और उनके पास 14 किलोग्राम सोने की छड़ें मिलीं जो एक बेल्ट में छुपा कर रखी गई थीं। ये बेल्ट उनके शरीर से बंधी थी। इसके अलावा, उनके पास 800 ग्राम सोने के आभूषण भी मिले हैं। मंगलवार को उन्हें कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। जांच अधिकारियों को शह है कि वह बेंगलुरु हवाईअड्डे के जरिए सक्रिय रूप से संचालित एक सोने की तस्करी गिरोह का हिस्सा हैं। फिल्मों में कर चुकी रान्या राव (32) आईपीएस अधिकारी रामचंद्र राव की बेटी हैं, जोकि कर्नाटक में पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन के डीजीपी हैं। अभिनेत्री ने कन्नड़ फिल्मों माणिक्य और पटाखी में काम किया है। इसके अलावा, वह तमिल फिल्म वाघाह में विक्रम प्रभु के साथ नजर आई थीं। सूत्रों के हवाले से लिखा है कि रान्या की बार-बार की गई अंतरराष्ट्रीय यात्राओं ने अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया है। इस साल की शुरुआत से उन्होंने 10 से ज्यादा बार विदेश यात्राएं की हैं। एक अधिकारी ने बतायाकि डीआरआई को शक हुआ जब उन्होंने देखा कि रान्या लगातार छोटे-छोटे अंतराल में गल्फ देशों की यात्राएं कर रही हैं। इस कारण उन्हें ट्रैक किया गया। जब वह सोमवार को दुबई से एमिरेट्स की उड़ान से बेंगलुरु पहुंचीं, तो डीआरआई टीम ने उन्हें रोकने की योजना बनाई।

राहुल गांधी दो दिवसीय दौरे पर गुजरात जाएंगे, चुनावी तैयारियों को देंगे धार

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी 7 और 8 मार्च को दो दिवसीय गुजरात दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे अहमदाबाद में पार्टी पदाधिकारियों, वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर आगामी चुनावी रणनीति पर चर्चा करेंगे। राहुल गांधी का यह दौरा आगामी 2027 के गुजरात विधानसभा चुनावों की तैयारियों को मजबूती देने के लिए हो रहा है। वे पार्टी संगठन को पुनर्गठित करने और जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने पर जोर देंगे। इसके अलावा, वे कांग्रेस के प्रदेशभर के कार्यकर्ताओं को संबोधित कर उनका मनोबल बढ़ाएंगे।

आंदोलनरत किसानों के चंडीगढ़ कूच को देखते हुए सभी बॉर्डर सील, पुलिस अलर्ट पर

चंडीगढ़। पंजाब के किसान अपनी लंबित मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। इसके चलते आज किसान चंडीगढ़ कूच करेंगे। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के नेतृत्व में यह आंदोलन हो रहा है। सुरक्षा के मद्देनजर चंडीगढ़ पुलिस ने सभी बॉर्डर को सील कर दिया गया है और यात्रियों को वैकल्पिक मार्ग अपनाने की सलाह दी गई है। भारतीय किसान यूनियन (एकता-उग्राहां) के अध्यक्ष जोगिंदर सिंह उग्राहां ने किसानों से अपील की है कि वे सड़कों, राजमार्गों और रेलवे पटरियों को अवरुद्ध न करें और जहां उन्हें रोका जाता है, वहीं सड़क किनारे धरना दें। एसकेएम ने पंजाब सरकार पर विरोध के अधिकार को दबाने का आरोप लगाया है।

किसानों की प्रमुख मांगें- आंदालनरत किसानों की प्रमुख मांगों में कृषि नीति के क्रियान्वयन, भूमिहीन मजदूरों को भूमि वितरण और किसानों की कर्ज माफी शामिल हैं। प्रशासन ने प्रदर्शन के लिए अभी तक कोई निर्धारित स्थान आवंटित नहीं किया है, जिससे तनाव बढ़ने की आंशका व्यक्त की जा रही है।

बजट 2025-26 में रोजगार के अवसर बढ़ाने पर फोकस है : मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बजट के बाद रोजगार पर वेब गोष्ठी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि लोगों में और नवाचार आधारित विषयों में निवेश करना विकसित भारत की रूपरेखा को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि बजट 2025-26 में विकसित भारत का खाका सामने आया है। इसमें बुनियादी ढांचे और कौशल विकास को समान महत्व दिया गया है। उन्होंने कहा कि पर्यटन युवाओं के लिए रोजगार पैदा कर सकता है। इस क्षेत्र को बुनियादी ढांचे का दर्जा मिलने से जीडीपी में इसकी हिस्सेदारी बढ़ेगी। हमें प्रतिभा को बढ़ावा देने, कौशल विकास और नवाचार जैसे क्षेत्रों में अधिक निवेश करने की आवश्यकता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत एआई शोध के लिए एक राष्ट्रीय लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) स्थापित करेगा और इस क्षेत्र में निवेश के लिए कहा जाएगा। रोजगार सृजन को महत्व देते हुए सरकार ने 2014 से अब तक तीन करोड़ युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया। उन्होंने कहा कि हमने इस बजट में 10 हजार अतिरिक्त मेडिकल सीटों की घोषणा की है। हम अगले 5 सालों में मेडिकल लाइन में 75 हजार सीटें जोड़ने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में टेली-मेडिसिन सुविधा का विस्तार हो रहा है। डे-केयर कैंसर सेंटर और डिजिटल स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचा के जरिए हम गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा को लास्ट माइल तक पहुंचाना चाहते हैं।

मोदी ने कहा कि इस बजट में घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई फैसले लिए गए हैं। देश भर में पर्यटन के लिए 50 गंतव्य पर फोकस करते हुए विकसित किया जाएगा। इन गंतव्य में होटलों को आधारभूत संरचना का दर्जा दिए जाने से पर्यटन में आसानी बढ़ेगा, स्थानीय रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि ज्ञान भारतम मिशन के माध्यम से भारत की समृद्ध पांडुलिपि विरासत को संरक्षित करने की घोषणा बहुत ही अहम है। इस मिशन के माध्यम से एक करोड़ से अधिक पांडुलिपियों को डिजिटल फॉर्म में बदला जाएगा।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि फरवरी में ही भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर IMF के शानदार टिप्पणियों भी हम सबके सामने हैं।इस रिपोर्ट के मुताबिक 2015 से 2025 के बीच के 10 वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था ने 66प्र. की ग्रोथ दर्ज की है। भारत अब 3.8 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन गया है। ये ग्रोथ कई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से भी ज्यादा है। वो दिन दूर नहीं जब भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगा।

पिछले 10 दिनों में यमुना से 1,300 टन कचरा निकाला गया : मंत्री प्रवेश वर्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री प्रवेश वर्मा ने बुधवार को नाव से यमुना का निरीक्षण किया और कहा कि पिछले 10 दिनों में नदी से 1,300 टन कचरा निकाला गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हाल में संपन्न दिल्ली विधानसभा चुनावों में यमुना की सफाई का वादा किया था।

वर्मा ने कहा, '2023 में दिल्ली को बाढ़ का सामना करना पड़ा। पहले सभी जलद्वार बंद कर दिए गए थे, लेकिन अब भविष्य में बाढ़ को रोकने के लिए उनकी मरम्मत कर दी गई है और उन्हें ऊंचा कर दिया गया है।' मंत्री ने कहा, ''हमारी सबसे बड़ी प्रतिबद्धता यमुना को पूरी तरह से साफ करना और बहाल करना है। पिछले 10 दिनों में 1,300 टन कचरा निकाला जा चुका है। दिल्ली विकास प्राधिकरण नदी के तल को बहाल करेगा और अतिक्रमण हटाया जा रहा है।' उन्होंने यह भी कहा कि नदी में अपशिष्ट जल

गिराने वाले 18 प्रमुख नालों के लिए सीवेज उपचार संयंत्र (एसटीपी) स्थापित किए जाएंगे।

वर्मा ने कहा, 'शिकायतों का समाधान किया जाएगा, नए एसटीपी स्थापित किए जाएंगे और मौजूदा एसटीपी की क्षमता बढ़ाई जाएगी। सभी एसटीपी दो साल के भीतर स्थापित होने की उम्मीद है।' उन्होंने दावा किया कि पिछले दशक में नदी की सफाई के लिए कोई महत्वपूर्ण काम नहीं किया गया, यहां तक कि 'कागजों पर भी कुछ नहीं' किया गया। वर्मा ने कहा, 'पिछली सरकार के मन में यमुना के लिए काम करने का विचार भी नहीं आया। लेकिन अब, न केवल दिल्ली सरकार बल्कि खुद प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) भी इसमें शामिल है।'

तेजस में उड़ान के दौरान ऑक्सीजन पर आईएलएसएस का पहला परीक्षण पूरी तरह से कामयाब रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)।स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस में उड़ान के दौरान ऑक्सीजन पर आधारित इंटीग्रेटेड लाइफ सपोर्ट सिस्टम (आईएलएसएस) का पहला परीक्षण पूरी तरह से कामयाब रहा है। यह परीक्षण एलसीए-प्रोटोटाइप व्हीकल-3 विमान पर समुद्र तल से 50 हजार फीट की ऊंचाई और युद्धाभ्यास सहित विभिन्न उड़ान स्थितियों में किया गया। इस सिस्टम में लगाई गई सामग्री 90 प्रतिशत स्वदेशी है, जो एयरोस्पेस प्रौद्योगिकी में भारत की आत्मनिर्भरता को दर्शाती है।

स्वदेशी ऑन बोर्ड ऑक्सीजन जनरेटिंग सिस्टम (ओबीओजीएस) पर आधारित इंटीग्रेटेड लाइफ सपोर्ट सिस्टम (आईएलएसएस) अत्याधुनिक प्रणाली है, जिसे उड़ान के दौरान पायलटों के लिए सांस लेने योग्य ऑक्सीजन उत्पन्न करने और नियंत्रित करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है, जिससे पारंपरिक तरल ऑक्सीजन सिलेंडर आधारित प्रणालियों पर निर्भरता समाप्त हो जाती है। आईएलएसएस का परीक्षण हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने

एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी (एडीए) के एलसीए-प्रोटोटाइप व्हीकल-3 विमान पर किया। इस प्रणाली की क्षमता को समुद्र तल से 50 हजार फीट की ऊंचाई और युद्धाभ्यास सहित विभिन्न उड़ान स्थितियों में कड़े एयरोमेडिकल मानकों पर परखा गया।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्यरत बेंगलुरु स्थित रक्षा बायो-इंजीनियरिंग एंड इलेक्ट्रो मेडिकल प्रयोगशाला (डीईबीईएल) ने यह परीक्षण 04 मार्च को हल्के लड़ाकू विमान तेजस के लिए किया। परीक्षण के दौरान ऑक्सीजन सांद्रता, डिमांड ब्रीथिंग, 100 फीसदी ऑक्सीजन की उपलब्धता, आवश्यक ऊंचाइयों पर एरोबैटिक युद्धाभ्यास, टैक्सीइंग, टेक ऑफ, क्रूज, जी टर्न और रीजॉइन एप्रोच तथा लैंडिंग के दौरान ब्रीथिंग ऑक्सीजन सिस्टम (बीओएस) को शामिल किया गया। इस प्रणाली ने सेंटर फॉर मिलिट्री एयरवर्थनेस एंड सर्टिफिकेशन से उड़ान मंजूरी के बाद सभी निर्दिष्ट मापदंडों को सफलतापूर्वक पूरा किया।

इसके अलावा ऑन-बोर्ड ऑक्सीजन जनरेटिंग सिस्टम से अलग इंटीग्रेटेड लाइफ सपोर्ट सिस्टम में 10 लाइन रिप्लेसेबल यूनिट्स को एकीकृत किया गया है, जिसमें लो-प्रेशर ब्रीदिंग रेगुलेटर, बीओएस, इमरजेंसी ऑक्सीजन सिस्टम, ऑक्सीजन सेंसर, एंटी-जी वाल्व और अन्य उन्नत उपकरण शामिल हैं। इससे वास्तविक समय पर ऑक्सीजन का उत्पादन होगा, जिससे पायलट को उड़ान के दौरान सांस लेने में दिक्कत नहीं होगी और परिचालन क्षमता में वृद्धि होगी। इस प्रणाली का निर्माण एलएंडटी ने विकास सह उत्पादन साझेदार के रूप में किया गया है, जो डीआरडीओ तथा भारतीय रक्षा उद्योगों के बीच महत्वपूर्ण सहयोग को दर्शाता है।

संजय राउत बोले, पीएम मोदी का रिटायरमेंट करीब, इसलिए जा रहे जंगल सफारी

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (उद्धव गुट) के सांसद संजय राउत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा, प्रधानमंत्री जी के रिटायरमेंट का समय आ गया है, इसलिये जंगल में जाकर मजे ले रहे हैं। उनका यह बयान पीएम मोदी के गिर जंगल सफारी के दौरे के बाद आया, जिससे राजनीतिक हलचल तेज हो गई है।

संजय राउत के इस बयान पर बीजेपी नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी और इसे प्रधानमंत्री का अपमान बताया। बीजेपी प्रवक्ताओं ने कहा कि पीएम मोदी देश के विकास के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं और विपक्षी नेता उनकी लोकप्रियता से घबराकर इस तरह के बयान दे रहे हैं।

पीएम मोदी का गिर जंगल सफारी दौरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व वन्यजीव दिवस के अवसर पर गुजरात के गिर राष्ट्रीय उद्यान का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने एशियाई शेरों को करीब से देखा और वन्यजीव संरक्षण व जैव विविधता के महत्व को समझने का संदेश दिया। उनके साथ कुछ केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

विपक्ष के आरोप

विपक्षी दलों का कहना है कि जब देश में महंगाई, बेरोजगारी और किसानों से जुड़े मुद्दे चल रहे हैं, तब प्रधानमंत्री जंगल सफारी में व्यस्त हैं। कई विपक्षी नेताओं ने इसे जनता से दूर भागने की रणनीति करार दिया।

अब सैटेलाइट से चलेगा इंटरनेट, देश के कोने-कोने से समुद्र तक में मिलेगी स्पीड

-जहां केबल और मोबाइल टॉवर की सुविधा नहीं वहां भी होगी कनेक्टिविटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में जल्द सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस का शुरु होने वाली है। इस साल जून की शुरूआत में सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस शुरू हो सकती है। दूरसंचार नियामक इस सर्विस के लिए बेस तैयार कर रहा है, जो दूरदराज और समंदर तक में इंटरनेट पहुंचाने में सक्षम है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सूत्रों ने बताया कि भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) सैटेलाइट कम्युनिकेश के प्राइसिंग और उपयोग पर

सिफारिशों के एक सेट को अंतिम रूप दे रहा है, जिसे पिछले दो सालों से तैयार किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि जैसे ही इसकी रूपरेखा तैयार होगी उसके बाद स्पेक्ट्रम एलोकेट किया जाएगा। रिलायंस जियो इन्फोकॉम, भारती एयरटेल और स्टारलिंक द्वारा सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस की तैयारी कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक एक सूत्र ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि सैटेलाइट इंटरनेट सर्विसेज से जुड़ी सिफारिशें अंतिम रूप दिए जाने के करीब हैं। ब्रॉडबैंड की तुलना में यह सर्विस बहुत आगे है। खास बात है कि यह उन इलाकों में इंटरनेट कनेक्टिविटी देती है जहां केबल या मोबाइल टावर की सुविधा नहीं है। सैटेलाइट इंटरनेट में स्पेस में मौजूद सैटेलाइट्स का इस्तेमाल किया जाता है। दुनिया के कई देशों में सैटेलाइट इंटरनेट का इस्तेमाल किया जा रहा है। यह ब्रॉडबैंड इंटरनेट की तुलना में ज्यादा महंगा है, क्योंकि सैटेलाइट इंटरनेट से जुड़ी लागत ज्यादा होती है।

भारत और चीन पर दो अप्रैल से पारस्परिक टैरिफ लागू होंगे : ट्रम्प

वाशिंगटन/नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत, चीन, मेक्सिको, कनाडा, दक्षिण कोरिया समेत कई देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने का एलान कर दिया है। ट्रंप ने आज (बुधवार) संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए कहा, 'भारत समेत चीन मेक्सिको और कनाडा समेत कई देशों पर टैरिफ लगाएंगे। चीन दोगुना और दक्षिण कोरिया चार गुना ज्यादा टैरिफ लगाता है, जबकि हम उसे सैन्य सहायता देते हैं, लेकिन हम 2 अप्रैल से उस देश पर उतना टैरिफ लगाएंगे, जो देश हम पर जितना टैरिफ लगाता है। बता दें कि इसे रेसिप्रोकल टैरिफ कहा जाता है।'

सवाल ये है कि ट्रंप ने रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने के लिए 2 अप्रैल का ही दिन क्यों चुना? इसका जवाब खुद ट्रंप ने ही दिया। उन्होंने कहा कि वह 1 अप्रैल से पारस्परिक टैरिफ लगाना चाहते थे, लेकिन 'अप्रैल फूल डे' का आरोप नहीं लगाना चाहते थे। उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ, चीन, ब्राजील और भारत जैसे देश अमेरिका पर अमेरिका द्वारा लगाए जाने वाले टैरिफ से कहीं ज्यादा टैरिफ लगाते हैं। उन्होंने इस स्थिति को अनुचित बताया। ट्रंप ने यह स्पष्ट कर दिया कि जो देश अपने उत्पाद अमेरिका में नहीं बनाते हैं, उन्हें टैरिफ देना होगा और कुछ मामलों में तो हम बड़ी मात्रा में टैरिफ लगाएंगे। बता दें कि अमेरिका ने कनाडा और मैक्सिको से होने वाले आयात पर 25 प्रतिशत का शुल्क मंगलवार से लगा दिया है। चीन की वस्तुओं पर भी 20 प्रतिशत का शुल्क लगाया गया है।

किस पर कितना टैरिफ लगेगा...

कनाडा से आयात- अधिकतर सामानों पर 25प्र. टैरिफ। तेल और बिजली जैसे ऊर्जा उत्पादों पर 10प्र. टैरिफ।

मेक्सिको से आयात- सभी उत्पादों पर 25प्र. टैरिफ लगाया जाएगा।

स्टील और एल्युमिनियम- पहले से लागू 25प्र. टैरिफ आगे भी रहेगा जारी

केदारनाथ और हेमकुंड साहिब तक रोपवे के निर्माण को मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने पर्वतमाला परियोजना के अंतर्गत उत्तराखंड में स्थिति तीर्थ स्थल बाबा केदारनाथ तथा सिखों के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल हेमकुंड साहिब के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को रोपवे की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कुल 6811 करोड रुपए की लागत की दो परियोजनाओं के निर्माण को आज मंजूरी प्रदान की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति की आज यहां हुई बैठक में इन दोनों परियोजनाओं को मंजूरी दी गयी।

रेल, सूचना प्रसारण, इलैक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए यहां संवाददाता सम्मेलन में बताया कि इन परियोजनाओं पर डिजाइन, निर्माण, वित्त, संचालन और स्थानांतरण-डीबीएफओटी मोड पर काम कराया जाएगा जिन्हें चार से छह

वर्ष के भीतर पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दोनों रोपवे परियोजनाओं को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधीन कंपनी राष्ट्रीय राजमार्ग रसद प्रबंधन लिमिटेड (एनएचएलएमएल) द्वारा बनाया जाएगा।

श्री वैष्णव बताया कि उत्तराखंड में सोनप्रयाग से केदारनाथ 12.9 किलोमीटर लम्बी रोपवे परियोजना के निर्माण पर 4081.28 करोड़ रुपए की लागत से किया जाएगा। रोपवे को सार्वजनिक-निजी भागीदारी में विकसित करने की योजना है और यह परियोजना सबसे उन्नत ट्राई-केबल डिटेचेबल गोंडोला-3एस तकनीक पर आधारित होगा जिसकी डिजाइन क्षमता 1800 यात्री प्रति घंटे प्रति दिशा होगी, जो प्रति दिन 18 हजार यात्रियों को लाने ले जाने में सक्षम होगी। एक गोंडोला मिनी बस के समान होगा जिसमें एक बार में 36 यात्री सवारी कर सकेंगे।

उन्होंने कहा कि रोपवे निर्माण से केदारनाथ की यात्रा गौरीकुंड से 16 किलोमीटर की चढ़ाई में लगने वाला 8 से 9 घंटे की अवधि घटकर महज 36 मिनट रह जाएगी। प्रस्तावित रोपवे की योजना मंदिर में आने वाले तीर्थयात्रियों को सुविधा प्रदान करने और सोनप्रयाग और केदारनाथ के बीच हर मौसम में कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई है। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में 3,583 मीटर की ऊंचाई पर स्थित केदारनाथ में 6 से 7 महीने में हर साल लगभग 20 लाख तीर्थयात्री पहुंचते हैं। रोपवे के निर्माण से यह संख्या 23 लाख हो जाएगी।

श्री वैष्णव ने बताया कि गोविंदघाट से हेमकुंड साहिब तक 12.4 किमी रोपवे परियोजना को भी डीबीएफओटी मोड पर तैयार किया जाएगा। इसमें 10.55 किलोमीटर तक गोविंदघाट से घांघरिया तक और 1.85 किलोमीटर घांघरिया से हेमकुंड साहिब तक बनाया जाएगा। इस परियोजना पर 2730.13 करोड़ रुपए लागत आने का अनुमान है। करीब 15 हजार फुट की ऊंचाई पर स्थित हेमकुंड साहिब की यात्रा गोविंदघाट से 21 किमी की चुनौतीपूर्ण चढ़ाई है।

उन्होंने कहा कि इस रोपवे से हेमकुंड साहिब के दर्शन के साथ ही फूलों की घाटी का दौरा करने वाले पर्यटकों को भी सुविधा होगी जो घांघरिया से करीब चार किलोमीटर की दूरी पर है। इस तीर्थ पर हर साल करीब दो लाख यात्री पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि इस समय हेमकुंड साहिब में चार से पांच घंटे ही दर्शन हो पाते हैं। रोपवे बनने के बाद दिन में दस घंटे तक दर्शन की सुविधा संभव हो सकेगी। रोपवे के माध्यम से एक दिन में करीब 1100 यात्री आ जा सकेंगे।

एक सवाल के जवाब में सूचना प्रसारण मंत्री ने बताया कि दोनों परियोजनाओं को मंजूरी देने से पहले पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी तंत्र पर गहरायी से विचार किया गया है और सभी चिंताओं का समाधान किया गया है। रोपवे का संचालन उत्तराखंड रोपवे अधिनियम 2014 के अंतर्गत किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि केदारनाथ एवं हेमकुंड साहिब के लिए माल पहुंचाने के लिए भी रोपवे सेवा बहुत उपयोगी साबित होगी। सामान के परिवहन की लागत घटने से यात्रियों को भी लाभ होगा।

कांशी राम की विरासत और मायावती की तर्ज-ए-सियासत

निर्मल रानी

सच तो यह है कि मायावती के नेतृत्व में बसपा का न केवल समाज में प्रभाव कम होता जा रहा है बल्कि संगठन भी बिखराव के दौर से गुजर रहा है। पिछले दिनों जिसतरह उन्होंने अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी के राष्ट्रीय समन्वयक समेत सभी मुख्य पदों से हटा दिया और दो दिन बाद ही उन्हें पार्टी से निष्कासित भी कर दिया उससे भी यही सन्देश गया कि मायावती को अपने परिवार के बाहर भी कोई उत्तराधिकारी नजर नहीं आया और जिस भतीजे को अपना राजनैतिक उत्तराधिकारी बनाया भी उससे भी जल्द ही पीछा छुड़ा लिया? इस तरह के ढुलमुल फैसलों का प्रभाव निश्चित रूप से पार्टी पर जरूर पड़ेगा। सच तो यही है कि कांशी राम की विरासत के रूप में मिले व्यापक जनाधार वाले राजनैतिक दल को मायावती की तर्ज-ए-सियासत के चलते काफी नुकसान हुआ है।

दशक 1980 में बसपा प्रमुख कांशी राम पूरे देश में घूम घूम कर भारतीय समाज को 85 : 15 का जनसँख्या अनुपात समझाते थे और यह बताते थे कि 15 प्रतिशत कथित उच्च जाति के लोग शेष 85 प्रतिशत जातियों व समुदायों के लोगों पर राज कर रहे हैं। और तभी यह नारा प्रचलित हुआ था - वोट हमारा, राज तुम्हारा - नहीं चलेगा, नहीं चलेगा। जैसे जैसे कांशी राम के नेतृत्व में यह बहुजन आंदोलन आगे बढ़ता गया वैसे वैसे मनुवाद तथा सनातन व्यवस्था में उल्लिखित वर्ण व्यवस्था पर इनका आक्रमण और तेज होता गया। यहाँ तक कि 'तिलक, तराजू और तलवार जैसा 'अभद्र नारा भी उन्हीं दिनों में खूब प्रचलित हुआ। यही वह आंदोलन था जिसमें दलित पिछड़े व अल्पसंख्यक वर्ग के लोग जुड़ते चले गये। यानी कांग्रेस का परम्परागत वोट बैंक धीरे धीरे खिसकना शुरू हो गया। इसी बीच कांशीराम ने 1984 में बहुजन समाज पार्टी नामक एक नये राजनैतिक दल की स्थापना कर दी। उसी दौरान कांशी राम की भेंट मायावती से हुई जोकि उस समय वकालत व बी एड करने के बाद दिल्ली इंद्रपुरी स्थित जेजे कॉलोनी में एक अध्यापिका के रूप में कार्यरत थीं और साथ ही सिविल सर्विसेज परीक्षाओं की तैयारी भी कर रही थीं। तभी कांशी राम ने मायावती के तेज तर्रार व्यक्तित्व से प्रभावित होकर कहा था कि - 'मैं तुम्हें एक दिन इतना बड़ा नेता बना सकता हूं कि एक नहीं बल्कि आईएएस अधिकारियों की पूरी कतार तुम्हारे आदेशों का पालन करने के लिए लाइन में खड़ी हो जाएगी।' तभी से वे कांशी राम के सहयोगी के रूप में उनके साथ प्रायः देखी जाने लगीं तथा उनके 'क्रन्तिकारी ' व उत्तेजक भाषण भी लोगों को प्रभावित करने लगे।

कांशीराम का 9 अक्टूबर 2006 को 72 वर्ष की आयु में लंबी बीमारी के बाद दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। कांशीराम के जीवन के अंतिम दौर में उनकी विरासत को लेकर बसपा के भीतर तथा कांशीराम के परिजनों के द्वारा काफी विवाद भी खड़ा किया गया। परन्तु तेज तर्रार मायावती तब तक कांशी राम पर व उनकी विरासत रुपी बसपा पर पूरा नियंत्रण कर चुकी थीं। यही वजह थी कि बौद्ध धर्म के अनुसार हुये कांशीराम के अंतिम संस्कार में उनके परिजनों ने नहीं बल्कि स्वयं मायावती ने ही उनकी

चिता को अग्नि दी। अब पार्टी में उन्हें 'बहन जी ' के नाम से बुलाया जाने लगा। कांशीराम के नेतृत्व में ही बीएसपी ने 1999 के संसदीय चुनावों में 14 संसदीय सीटें जीतीं थीं। मायावती को चार बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पद पर बैठने का भी सौभाग्य हासिल है। परन्तु यह कहना गलत नहीं होगा कि जिस बसपा को कांशीराम ने एक मिशन के रूप में स्थापित किया था और कांशी राम के जिस मिशन से बड़े सामाजिक परिवर्तन की आहट महसूस हो रही थी, पार्टी पर मायावती का वर्चस्व होने के बाद वही मिशन, वही पार्टी अब सत्ता, वैभव, आत्ममुग्धता और परिवारवाद का शिकार होती नजर आने लगी। यहाँ तक कि केवल सत्ता हासिल करने के लिये बुनियादी विचारों से भी समझौता करने लगीं। जिस 'मनुवादी ' व्यवस्था के विरुद्ध बसपा का जन्म हुआ था, 2007 में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में उसी ब्रह्मण समुदाय के समर्थन की जरुरत महसूस हुई तो तिलक, तराजू और तलवार जैसा नारा भी बदल गया। 2007 में बहुजन समाज पार्टी, सर्वजन समाज की बातें करने लगी। और यह नया नारा लगा - हाथी नहीं, गणेश है, ब्रह्मा, विष्णु, महेश है। उस समय उत्तर प्रदेश में 37 प्रतिशत ब्राह्मणों ने पार्टी को वोट दिया था।

परन्तु चार बार देश के सबसे बड़े राज्य का मुख्यमंत्री बनने के बाद अन्य सत्ताधीशों की ही तरह मायावती भी अहंकार के साथ साथ परिवारवाद का भी शिकार होती चली गयीं। कभी अपने को जिंदा देवी बतातीं तो कभी अपने भाई व भतीजे के मोह में डूबती नजर आतीं। कभी अपनी हार का ठीकरा मुसलमानों पर फोड़तीं तो कभी उनपर पार्टी का टिकट बांटने में लोगों से करोड़ों रुपए वसूलने का आरोप लगा। हद तो यह कि अपने जीवनकाल में ही मायावती ने बाबा साहब आंबेडकर व कांशी राम के साथ ही अपनी भी प्रतिमायें लगवा डालीं। जिसतरह कांशी राम को अपने परिवार से अलग उत्तराधिकारी के रूप में मायावती नजर आयी थीं उस तरह मायावती को परिवार से बाहर अपनी पार्टी का कोई योग्य नेता नजर ही नहीं आया। और आखिरकार मायावती के इन्हीं स्वार्थपूर्ण फैसलों के चलते उनकी पार्टी का जनाधार घटता चला गया। पिछले लोकसभा चुनावों से पूर्व जब इण्डिया गठबंधन वजूद में आया तो मायावती उस विपक्षी गठबंधन का हिस्सा नहीं बनीं। उसी समय यह अंदाजा लगाया जाने लगा था कि मायावती भाजपा के प्रति नरम रुख अपना रही हैं। इसके पीछे के कारणों से भी अनेक राजनैतिक विश्लेषक बखूबी वाकिफ हैं। पिछले दिनों दिल्ली विधानसभा चुनावों के दौरान राहुल गांधी ने मायावती पर बीजेपी को फायदा पहुंचाने का आरोप लगाते हुए स्पष्ट रूप से यह कह दिया था कि यदि बीएसपी 'इंडिया' गठबंधन में होती तो पिछले वर्ष हुये लोकसभा चुनावों में एनडीए की जीत नहीं होती। इस आरोप से तिलमिला कर मायावती ने कांग्रेस को ही बीजेपी की 'बी' टीम बता डाला। जबकि देश देख रहा है कि इस समय देश में सत्ता, भाजपा व संघ के विरुद्ध जितना राहुल गाँधी मुखर हैं उतना कोई नहीं जबकि मायावती के रवैये से तो पता ही नहीं चलता की वे विपक्ष में हैं या सत्ता के साथ?

सच तो यह है कि मायावती के नेतृत्व में बसपा का न केवल समाज में प्रभाव कम होता जा रहा है बल्कि संगठन भी बिखराव के दौर से गुजर रहा है। पिछले दिनों जिसतरह उन्होंने अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी के राष्ट्रीय समन्वयक समेत सभी मुख्य पदों से हटा दिया और दो दिन बाद ही उन्हें पार्टी से निष्कासित भी कर दिया उससे भी यही सन्देश गया कि मायावती को अपने परिवार के बाहर भी कोई उत्तराधिकारी नजर नहीं आया और जिस भतीजे को अपना राजनैतिक उत्तराधिकारी बनाया भी उससे भी जल्द ही पीछा छुड़ा लिया? इस तरह के ढुलमुल फैसलों का प्रभाव निश्चित रूप से पार्टी पर जरूर पड़ेगा। सच तो यही है कि कांशी राम की विरासत के रूप में मिले व्यापक जनाधार वाले राजनैतिक दल को मायावती की तर्ज-ए-सियासत के चलते काफी नुकसान हुआ है।

संपादकीय

15 लाख से ज्यादा मौतें

अमृता आर. पंडित

असुरक्षित यात्राओं से देश में देश की सड़कों पर मौत के आंकड़ों में नियंत्रांतर वृद्धि होती जा रही है मोदी सरकार में केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने हाल ही में बताया कि पूरे देश में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली म्यूट के मामले में निरंतर देश की राजधानी दिल्ली अपना पहला स्थान बनाए हुए हैं। इस वर्ष सिर्फ 2024 में राष्ट्रीय राजधानी के अंदर सड़क दुर्घटनाओं में लगभग 1457 लोगों ने अपनी जान गवाही है जबकि दूसरे स्थान पर बेंगलुरु है जहां 900 लोगों की और सुरक्षित यात्रा के कारण अपनी जान गवा जयपुर में 849 तो कानपुर में 638 लोग सड़क हादसे के कारण कल के ग्रास बन गए। एक सरकारी रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्गों पर हुई दुर्घटनाओं में 36.5% लोग की जान जा चुकी है वहीं केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी तो दूर की बात है बल्कि मुझे यह कहने में कोई झिझक नहीं है कि सड़क दुर्घटनाओं के मामले में भारत दुनिया के मानचित्र में सबसे गंदा रिकॉर्ड बनाए हुए हैं। उन्होंने कहा कि वह सड़क दुर्घटनाओं पर चर्चा करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेते हैं तो उन्हें अपना मुंह छुपाना पड़ता है साथ ही उन्होंने कहा कि देश में हर साल 1.78 लाख लोगों की जान सड़क दुर्घटनाओं में चली जाती है जिनमें से जान गंवाने वाले 60% लोगों की आयु 18 से 34 साल के बीच होती है। गडकरी ने एक कार्यक्रम में यह बात भी बताया कि देश में हर साल लाखों लोग सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जान गवा देते हैं उन्होंने यह भी बताया कि यह मोटो का आंकड़ा केवल सलाहकारों द्वारा विस्तृत परियोजनाओं के कारण है उन्होंने दावा किया कि जाट डीपीआर बहुत रूढ़िवादी है गडकरी ने कहा कि सड़कों पर लाइन सपोर्ट में सुधार पर जोर देते हुए डीपीआर तैयार करने में गुणवत्ता बदलाव लाने की जरूरत है मुझे नहीं पता कि ऐसा क्यों है (डीपीआर दोस्त पूर्ण है) और इसके पीछे क्या कारण है। इसके अलावा एक रिपोर्ट के अनुसार सड़क हादसों में 10 वर्षों में देश में सड़क दुर्घटनाओं में 15 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। आपको बता दे की सुप्रीम कोर्ट ने इस पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा था कि देश में इतने लोग सीमा पर या आतंकी हमले में नहीं मारे जाते जीतने की सड़क पर गड्ढे की वजह से मर जाते हैं अब वक्त आ गया है कि सरकारी खराब सड़कों का रोना-धोना बंद कर दे। वहीं लोगों को अपनी जिम्मेवारी भी समझने की जरूरत है। विशेषज्ञ की माने तो भारत जैसे देश में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं के प्रमुख कर्म में शहर-ीकरण की तीव्र दर सुरक्षा के पर्याप्त उपाय का अभाव नियमों को लागू करने में विलंब नशीली पदार्थ एवं शराब का सेवन कर वाहन चलाना सड़क परिवहन नियमों का पालन सही और सुरक्षित रूप से नहीं करना प्रमुखता से है

चिंतन-मनन

शिष्य बना प्रशंसा का पात्र

गंगा किनारे गुरु अभेंद्र का आश्रम था। एक बार देश में भीषण अकाल पड़ा। गुरु अभेंद्र ने संकटग्रस्तों की मदद के उद्देश्य से अपने तीन शिष्यों को बुलाकर कहा - ऐसे संकट के समय में हमें अकाल पीड़ितों की सेवा करनी चाहिए। तुम लोग अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर भूखों को भोजन कराओ।

उनकी बात सुनकर शिष्य बोले - गुरुजी, हम इतने सारे लोगों को भोजन कैसे कराएंगे? हमारे पास न तो अन्न भंडार है और न अनाज खरीदने के लिए धन। तब गुरु अभेंद्र ने उन्हें एक थाली देते हुए कहा - यह थाली दिव्य है। तुम जितना भोजन मांगोगे, यह उतना भोजन उपलब्ध कराएगी। तीनों शिष्य थाली लेकर निकल पड़े। दो शिष्य एक स्थान पर बैठ गए। उधर से जो भी गुजरता, उसे वे भोजन कराते। किंतु तीसरा शिष्य मोहन बैठा नहीं, बल्कि घूम-घूमकर भूखों को खोजता रहा और उन्हें खाना बांटता रहा। कुछ दिनों बाद जब तीनों आश्रम लौटे, तो गुरु ने मोहन की खूब प्रशंसा की। दोनों शिष्यों को यह अजीब लगा।

उन्होंने पूछा - गुरुदेव, हमने भी तो अकाल पीड़ितों की सेवा की है। फिर मोहन की ही प्रशंसा क्यों गुरु ने उत्तार दिया - तुमने एक ही स्थान पर बैठकर पीड़ितों की सहायता की। ऐसा करने से वे लोग तुम्हारी मदद से वंचित रह गए, जो चलकर तुम्हारे पास आने में असमर्थ थे। जबकि मोहन ने लोगों के पास जा-जाकर उन्हें भोजन कराया। उसकी सहायता अधिकतम लोगों तक पहुंची, इसलिए उसकी सेवा अधिक प्रशंसा के योग्य है। कथा का सार यह है कि वही सेवा अधिक सराहनीय होती है, जो आगे बढ़कर की जाए।

शेयर बाजार की गिरावट रोकने सेबी पर भरोसा जगाना होगा

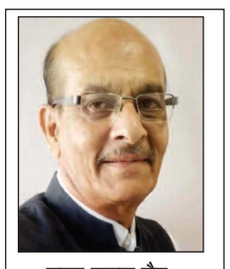

सनत कुमार जैन

पांच महीने से ज्यादा हो गए, शेयर बाजार में निरंतर गिरावट देखने को मिल रही है। पिछले कुछ सालों में जिस तरह से शेयर बाजार का फुग्गा फुलाया गया था, पिछले 5 महीने में तेजी के साथ उसकी हवा निकल रही है। शेयर बाजार में अभी तक निवेशकों को 95 लाख करोड़ से ज्यादा का नुकसान हो चुका है। विदेशी निवेशकों ने शेयर बाजार से बाहर निकलना शुरू किया। अब देसी निवेशक भी बड़ी संख्या में शेयर बाजार से शेयर बेचकर बाहर निकल रहे हैं। छोटे-छोटे देसी निवेशकों का मोह भी बुरी तरह से भंग हुआ है। शेयर बाजार को लेकर पहली बार निवेशकों में यह धारणा बनी है। संगठित रूप से उनके साथ लूट की जा रही है। जब हिंडनवर्ग की रिपोर्ट आई थी। उस समय भारतीय शेयर बाजार की गड़बड़ियों को उजागर किया गया था। सेबी ने उसको संज्ञान में नहीं लिया। शार्ट सेलिंग के जरिए कैसे शेयर के दाम बढ़ाए जा रहे हैं। बड़ी-बड़ी कंपनियों द्वारा जिस तरह की धोखाधड़ी शेयर बाजार में की जा रही थी। इसका खुलासा हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में हुआ था। शॉर्ट सेलिंग के लिए अवैध रूप से विदेशी कंपनियों का धन शेयर बाजार में अवैधानिक रूप से लगाया गया था। इसका खुलासा होने के बाद सेबी ने कोई जांच नहीं की। सुप्रीम कोर्ट ने भी जांच में लीपापोती करके मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया था। जिसके कारण विदेशी निवेशकों का रुझान भारतीय शेयर बाजार से उठने लगा। केंद्र सरकार द्वारा भारतीय शेयर बाजार में निवेश के लाभ पर जिस तरीके से लॉन्ग टर्म और शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन की वसूली की जा रही है, उसने भी निवेशकों का आकर्षण भारतीय शेयर बाजार से कम कर दिया है। भारतीय शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो के निवेशकों पर टैक्स लगता है। कई देशों में इस तरह का टैक्स नहीं है। जिसके कारण कैपिटल गैन के कारण विदेशी निवेशकों का पलायन भारतीय शेयर बाजार से अन्य देशों के शेयर बाजार में निवेश होना शुरू हो गया है। पिछले 5 महीने में विदेशी निवेशकों ने 3 लाख करोड रुपए की बिकवाली की है, जिसके कारण नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में 15 फीसदी से अधिक की गिरावट आई है। कंसल्टेंसी और एकाउंटिंग से जुड़े अर्थशास्त्रियों का मानना है कि टैक्सेशन के कारण विदेशी निवेशकों का मोह भारतीय शेयर बाजार से भंग हो गया है। देसी निवेशक भी कैपिटल गेन टैक्स की वसूली से नाराज हैं। भारतीय निवेशक शेयर बाजार से निवेश निकालकर सोने और चांदी में निवेश कर रहे हैं। जिसके कारण बाजार में लगातार बिकवाली और गिरावट देखने को मिल रही है। अर्थ विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार को विदेशी निवेशकों से कैपिटल गेन टैक्स की वसूली का प्रावधान तुरंत समाप्त करना चाहिए। 2024 के बजट में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा कैपिटल गेन टैक्स की दर ढाई फीसदी से लेकर 5 फीसदी तक बढ़ा दिया गया था। बाजार नियामक संस्था सेबी की कार्यप्रणाली पर निवेशकों का भरोसा खत्म हो गया है। सेबी प्रमुख माधवी पुरी बुच के ऊपर बड़े गंभीर आरोप हैं। वह जेपीसी के सामने प्रस्तुत नहीं हुई। केंद्र सरकार के संरक्षण और आरोपों की जांच नहीं होने से निवेशकों का विश्वास शेयर बाजार मे नही रहा। हाल ही में वित्तीय संस्थाओं द्वारा शेयर बाजार की गिरावट रोकने के लिए निवेश किया गया। वह बाजार में कुछ ही घंटे के अंदर बाहर निकल गया। निवेशकों के बीच बाजार से निकलने की होड़ लगी हुई है। शेयर बाजार से जुड़े निष्पक्ष अर्थशास्त्रियों का कहना है, सरकार को सेबी की कार्य प्रणाली को पारदर्शी बनाना होगा। सेबी के अधिकारियों को सजग और जिम्मेदार बनाने की जरूरत है। शेयर बाजार को हवा भरकर फुलाया जा रहा था। सेबी को नियंत्रित करने की जिम्मेदारी थी। सेबी ने आम निवेशकों के हित में काम नहीं किया। सरकार जिम्मेदार भ्रष्ट अधिकारियों को बचा रही है, जिसके कारण निवेशकों को शेयर बाजार में भरोसा नहीं रहा।

मुद्दा: जलवायु कार्ययोजना की अनदेखी

सुरेश भाई

जलवायु परिवर्तन पर देश-विदेश में सम्मेलन और संवाद हो रहे हैं। इसके बावजूद ऐसी कोई ह्यजलवायु कार्ययोजना' नहीं है, जहां लोगों को जलवायु संकट से बचाया जा सके। देश के पूर्व, पश्चिम और मध्य हिमालय में जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न हो रही समस्याओं के विषय पर वैज्ञानिकों की सलाह को गंभीरता से समझना जरूरी है। मौसम विभाग भी सही जानकारी दे रहा है।

फरवरी के अंत से मार्च के प्रथम सप्ताह तक मौसम विभाग के अलर्ट में उत्तराखंडङ्क हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर के 3000 मीटर की ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भारी बर्फबारी के संकेत दिए गए थे। लेकिन इसके बाद जो सावधानी बरती जानी चाहिए थी उसमें गैर-जिम्मेदारी सामने आई है। उदाहरण है कि उत्तराखंड में सीमा क्षेत्र के पहले गांव माणा में सड़क चौड़ीकरण में लगे 55 मजदूरों का हिमस्खलन की चपेट में आना। वे बर्फ के नीचे दब गए। हेली सेवाओं,आईटीबीपी और सेना के 200 जवानों द्वारा 44 लोगों को बड़ी मुश्किल से रेस्क्यू किया जा सका। यदि मौसम विभाग द्वारा बताई गई सावधानियों के प्रति गंभीरता दिखाते तो इतने लोगों को बचाने में जो ऊर्जा खर्च हुई है और आठ लोगों की जिंदगी समाप्त हो गई, उन्हें भी बचाया जा सकता था। बद्रीनाथ के पास स्थित माणा बाईपास के निर्माण में लगे मजदूरों को इस दौरान छुट्टी दे देनी चाहिए थी क्योंकि इस दौरान 10 हजार फीट की ऊंचाई पर मजदूरों के रहने लायक स्थितियां नहीं हैं, और उनसे काम भी नहीं करवाया जा सकता। समझना जरूरी है कि 2021-24 के बीच यहां आसपास हिमस्खलन की घटनाएं हो चुकी हैं। केदारनाथ में 2013 की आपदा के बाद से चोराबाड़ी ग्लेशियर से हिमस्खलन की घटनाएं थम नहीं रही हैं। माणा में जहां मजदूरों को रात में रहने की व्यवस्था थी वहां पर पहले भी हिमस्खलन हुआ है। ध्यान देना जरूरी है कि वर्षा और बर्फबारी का समय बिल्कुल बदल चुका है जिससे ग्लेशियरों की सतह कमजोर पड़ रही है। शीतकाल के समय तापमान बढ़ रहा है। दिसम्बर-जनवरी में दोपहर के समय केदारनाथ जैसे ऊंचाई वाले क्षेत्र में तापमान 12-16 डिग्री तक दर्ज किया गया है। पिछले वर्षों में भी जनवरी में दोपहर का तापमान 20 डिग्री तक पहुंचा है। यही स्थिति केदारनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री, बद्रीनाथ के ग्लेशियरों की है जिसके कारण बेमौसमी बर्फ पिघलने की गति बढ़ती जा रही है।

वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी के वैज्ञानिक डॉ. मनीष मेहता के अनुसार पहले दिसम्बर-जनवरी में गिरने वाली बर्फ शुष्क होती थी जिससे हिमस्खलन कम होता था और यह बर्फ ग्लेशियर पिघलाने की गति को भी कम करता था। लेकिन कुछ वर्षों से मौसम में बदलाव होने से नवम्बर-जनवरी तक बर्फबारी बहुत कम हो गई है। फरवरी-मार्च में पड़ने वाली बर्फ बढ़ते तापमान के कारण जम नहीं पाती है। माणा में हिमस्खलन का कारण भी यही बताया जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों से बद्रीनाथ के ग्लेशियरों से लगातार एवलांच की घटनाएं हो रही हैं। भू-वैज्ञानिक एसपी सती ने 2021 में चिपको नेत्री गौरा देवी के गांव रैणी के निकट हिमस्खलन की घटना के बाद इस घाटी के संवेदनशील बर्फ वाले इलाके चिन्हित किए थे जहां हिमस्खलन की आशंका है। माणा के पास मजदूरों का कैंप भी इसी तरह के क्षेत्र में स्थित था। लेकिन इस ओर ध्यान नहीं दिया गया। पुराने समय में यहां मानवीय आवाजाही कम थी। कहा जाता है कि बद्रीनाथ धाम में बर्फ की चोटियों में कंपन न हो, इसलिए मंदिर में शंख नहीं बजता था। लेकिन अब इसी क्षेत्र में मानवीय गतिविधियां इतनी बढ़ गई हैं कि बद्रीनाथ मास्टर प्लान के तहत सड़क निर्माण में तेज ध्वनि करने वाली जेसीबी मशीनों का प्रयोग हो रहा है। अंधाधुंध हेली सेवाएं जारी हैं। जलवायु नियंत्रित करने वाले वनों का तेजी से क्षरण हो रहा है, जिसका ग्लेशियरों पर सीधा प्रभाव पड़ रहा है। बद्रीनाथ में नीलकंठ, नरनारायण, कंचन गंगा, सतोपंथ, माणा और कुबेर पर्वत स्थित है। अन्य चोटियां भी हैं, जो बर्फ से ढकी रहती हैं।

यहां जो निर्माण हो रहा है उसका प्रभाव बढ़ते तापमान से साफ नजर आ रहा है। लोग कहते हैं कि सदियों पूर्व बद्रीनाथ मंदिर का जब निर्माण हुआ तो स्थानीय और लोक विज्ञान के पहलू को ध्यान में रखते हुए मंदिर बनाया गया था। इसी दौरान गंगोत्री के पास हर्षिल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को शीतकाल यात्रा का संदेश देने के लिए पहुंचना था जिसे मौसम के कारण 6 मार्च के लिए बदला गया। हिमाचल में भी भारी भूस्खलन के चलते 480 सड़क बंद रहीं। जगह-जगह पर आठ लोगों की मौत हुई। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बाधित होने के कारण हजारों लोग फंसे रहे। जलवायु परिवर्तन की ऐसी घटनाएं भविष्य में और बढ़ सकती हैं। इसलिए साल भर में जलवायु का कैलेंडर बनना चाहिए। पेड़-पौधे, जीव-जंतु, जल संरक्षण की दिशा में प्रयास करने होंगे। शीतकालीन सैलानी, पर्वतारोही मौसम की अनदेखी न करें। मनुष्य को अपने लालच की योजनाओं पर नियंत्रण करके प्रकृति को बचाने की दिशा में एकजुट प्रयासों को महत्त्व देना होगा।

युवाओं के सहयोग से दिल्ली को बनाएंगे नशामुक्त : रविन्द्र इंद्राज सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विश्वविद्यालय के अलीपुर स्थित स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज के वार्षिकोत्सव 'श्रद्धा तरंग' में बुधवार को समाज कल्याण, एससी एसटी कल्याण, चुनाव और सहकारिता मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा की देश की दिशा, युवा निर्धारित करते हैं। आप सभी दिल्ली को बेहतर बनाने और 'विकसित भारत-विकसित दिल्ली' संकल्प को पूरा करने के लिए सुझाव दें। दिल्ली को नशामुक्त बनाने का लक्ष्य युवाओं के सहयोग से ही पूरा हो सकता है। युवाओं के सहयोग से दिल्ली को नशामुक्त बनाएंगे। स्वामी श्रद्धानंद को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उन्होंने कहा कि स्वामी जी का कहना था की देश को 'सेवकों की जरुरत है, नेताओं की नहीं।' आज कॉलेज के इस कार्यक्रम में आकर उन्हें जो दिव्य अनुभूति हो रही है उसे शब्दों में बयां कर पाना मुश्किल है। इस कॉलेज की आधारशिला रखने वालों में मेरे पिता भी शामिल रहे। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर प्रवीण गर्ग सहित अन्य अधिकारी शामिल थे।

दिल्ली में तेज हवाओं के बीच गिरा पारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार सुबह तेज हवाएं चलने और आंशिक रूप से बादल छाए रहने के कारण अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कमी दर्ज की गई। बुधवार को दिन भर 20-40 किलो मीटर के बीच हवाएं चलीं। इससे अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 2.4 डिग्री सेल्सियस कम था। जबकि न्यूनतम तापमान 11.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 1.6 डिग्री कम था। गुरुवार के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिन में 20 से 30 किमी प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने और दोपहर बाद हवा की गति धीमे हो जाने का पूर्वानुमान व्यक्त किया है। हालांकि इस बीच अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। पूर्वानुमान संबंधी निजी एजेंसी 'स्काईमेट वेदर' के मौसम विज्ञान और जलवायु परिवर्तन उपाध्यक्ष ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा बर्फीले पहाड़ों से ठंडी हवाएं छह मार्च तक दिल्ली और अन्य क्षेत्रों से होकर गुजरेंगी, जिससे राजधानी में सर्दी बढ़ेगी। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को नमी का अधिकतम स्तर 70 फीसद तथा न्यूनतम स्तर 24 फीसद दर्ज किया गया। दिल्ली में सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 108 दर्ज किया और शाम 4 बजे यह 119 दर्ज किया गया जो 'मध्यम' श्रेणी में आता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, एक्यूआई शून्य से 50 के बीच अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है।

दिल्ली में इमारत गिरने से दो घायल, फायर सर्विस अधिकारी ने दी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी के जी.बी. रोड पर बुधवार को एक इमारत का एक हिस्सा ढह जाने से दो लोग घायल हो गए। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है। अधिकारी ने बताया कि उन्हें अपराह्न दो बजकर 32 मिनट पर एक इमारत का हिस्सा ढहने की सूचना मिली और बचाव दल को मौके पर भेजा गया। डीएफएस के प्रमुख अतुल गर्ग ने बताया कि एक महिला और एक पुरुष इसमें घायल हो गए और उन्हें उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया।

पहचान बदलकर सालों से दिल्ली में रह रही महिला नक्सली गिरफ्तार, खतरनाक हथियार चलाने में माहिर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने झारखंड की वांछित महिला नक्सली को गिरफ्तार किया है। यह महिला पिछले कई सालों से अपनी पहचान छिपाकर दिल्ली में रह रही थी और घरेलू कामकाज कर रही थी। 4 मार्च 2025 को क्राइम ब्रांच को जानकारी मिली थी कि महिला नक्सली पीतमपुरा इलाके में रह रही है और वहीं नौकरी कर रही है। इसके बाद पुलिस टीम ने छापा मारा और महिला को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक इस नक्सली महिला को बचपन में ही उसके गांव के एक नक्सली ने अपने साथ ले लिया था और अच्छी जिंदगी का झांसा देकर उसे नक्सली संगठन में शामिल कर लिया। 2016 में नक्सली संगठन 'सीपीआई माओवादी' से जुड़ गई थी। वहां उसे पांच साल तक सख्त ट्रेनिंग दी गई, जिसमें हथियार चलाना, गुरिल्ला युद्ध और बम बनाना सिखाया गया। वह एसएलआर, इंसास राइफल, एलएमजी, हैंड ग्रेनेड और .303 राइफल जैसे खतरनाक हथियार चलाने में माहिर हो गई थी। तीन एनकाउंटर में रही शामिल। इस महिला का झारखंड पुलिस से तीन बार सामना हो चुका है।

मालीवाल ने केजरीवाल पर कसा तंज, कहा-काफिला ट्रंप से भी बड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल ने बुधवार को आम आदमी पार्टी (आआपा) के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि केजरीवाल का काफिला ट्रंप से भी बड़ा है। मालीवाल ने एक्स पर एक वीडियो साझा किया है। उन्होंने कहा कि जिस पंजाब की जनता ने इतना प्यार दिया उससे इतना डर लगता है केजरीवाल को? सारी दुनिया को वीआईपी कल्चर पर टोकने वाले केजरीवाल आज खुद डोनाल्ड ट्रंप से बड़ा सुरक्षा घेरा लेकर घूम रहे हैं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने पंजाब जैसे महान सूबे को अपने ऐश-ओ- आराम के साधन का जरिया बना लिया है।

बजट तैयार करने से पहले महिला संगठनों की सीएम ने सुनीं मन की बात, 2500 रुपये मिलेंगे यह भी किया आश्वस्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में नवगठित बीजेपी सरकार अब विधानसभा में अपना बजट पेश करेगी। नए वित्त वर्ष (2025-26) के लिए बजट बनाने में सरकार जुटी हुई है। इससे पहले मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अलग-अलग वर्ग के लोगों से बजट तैयार करने में सुझाव देने की अपील की थी, आज दिल्ली की महिलाओं को उन्होंने विधानसभा परिसर में खास तौर से आमंत्रित किया और उनके सुझावों को ध्यान से सुनीं।

स्कूलों में प्रदान की जाएगी नैतिक शिक्षा: नई सरकार के बजट में दिल्ली की महिलाएं क्या सुझाव देना चाहती हैं, इस पर उन्होंने अपनी राय दी। तमाम महिलाओं ने जो सुझाव दिए उसे मुख्यमंत्री ने नोट भी किया और उन्होंने आश्वासन दिया कि वह इस बजट में शामिल करने पर जरूर विचार करेंगी। रेखा गुप्ता ने कहा कि महिलाओं ने जो नैतिक शिक्षा स्कूलों में दिलाने की बात कही है, उसकी वह खुद व्यवस्था करेंगीं। साथ ही उन्होंने महिलाओं से भी अपील की है कि वह घर में बच्चों को मोरल एजुकेशन दें। इसकी जिम्मेदारी भी वह स्वयं लें। महिला सुरक्षा एक बड़ा मुद्दा है इसमें किसी भी सूरत में ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दिशा में अब तक जो कदम उठाए गए उससे अतिरिक्त और क्या बेहतर हो सकता है इस सरकार फैसला लेगी।

संगठनों से विकसित दिल्ली बजट पर चर्चा: रेखा गुप्ता ने कहा, आज का हमारा ये विकसित दिल्ली बजट के लिए महिला संगठनों से चर्चा हुई। दिल्ली के हर वर्ग से महिला पहुंची थीं। सुरक्षा, शिक्षा और महिला के जरूरती मुद्दों पर चर्चा हुई। दिल्ली की महिलाओं को महिला मुख्यमंत्री से अपेक्षाएं है। जो-जो क्षेत्र जहां दिल्ली की सरकार को काम करना चाहिए उस पर चर्चा की गई। लोगो को विश्वास दिलाना चाहती हूं कि उनकी अपेक्षाओं पर खरी उतरेंगी। अगले तीन दिन सभी वर्गों के लोगो से बातचीत, कल व्यापार से जुड़े लोगों को बुलाया गया है आज शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों से भी संवाद करनी है। वे खुद झुग्गी जाएंगी और लोगो से बात करेंगीं। दिल्ली का बजट जनता से जुड़ा होगा। हमने अपने संकल्प पत्र में जो वादा किया है वो पूरा होगा। 2500 रुपए भी मिलेंगे किसी को याद दिलाने की जरूरत नहीं।

सीएम 24 घंटे सातों दिन रहेंगी उपलब्ध: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने तमाम महिलाओं से कहा कि उन सबके साथ मिलकर काम करना है। महिला सम्मान के लिए वह 24 घंटे सातों दिन वे उपलब्ध रहेंगी। शिक्षा, स्वास्थ्य महिलाओं से संबंधित अन्य समस्याएं पर जो भी सुझाव मिले हैं उन सब पर विचार किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं को लेकर पार्टी ने चुनाव में जो वादे किए थे, विकसित दिल्ली का संकल्प लिया था, वह हर संकल्प को सरकार पूरा करेगी। चाहे 2500 रुपये प्रतिमाह महिलाओं को देने का हो या अन्य घोषणाएं। अब एजेंडा हमारा चलेगा उनका नहीं। किसी को याद दिलाने की जरूरत नहीं कि चार दिन बचे हैं, तीन दिन बचे हैं।

दिल्ली की महिलाओं से बीजेपी सरकार के वादे....

-घरेलू महिला कामगारों को 6 महीने की पेड मैटरनिटी लीव।

-गरीब महिलाओं को महिला समृद्धि योजना के तहत 2,500 रुपये की मासिक सहायता।

-गर्भवती महिलाओं को मुख्यमंत्री मातृत्व सुरक्षा योजना के तहत ?21,000 की आर्थिक सहायता और 6 पोषण किट।

-500 रूपये में एलपीजी गैस सिलेंडर और होली-दीवाली पर मुफ्त सिलेंडर।

मुख्यमंत्री से मुलाकात करने आई महिलाओं ने बजट को लेकर दिए यह सुझाव....

-रेप केस को रोकने के लिए लड़कों को दी जाए नैतिक शिक्षा। हर स्कूल में एक क्लास लड़कों के लिए जरूर होनी चाहिए।

-कोर्ट में महिला अपराध से जुड़ें मामले की सुनवाई जल्दी हो,

-सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाई जाएं।

-महिलाओं की सुरक्षा के लिए रात में 9 बजे के बाद पीसीआर की गश्त बढ़नी चाहिए।

-होनहार बेटियों को उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता मिलनी चाहिए।

-दिव्यांग महिलाओं के लिए बसें आई हैं, लेकिन उसमें चढ़ने नहीं दिया जाता, पेंशन बढ़ाने पर सरकार विचार करें।

-फ्री स्कीम बंद कर दी जाए, हमें शिक्षित और रोजगार दी जाए।

-स्कूली बच्चों को दी जाने वाली मिड डे मील में मीलेट दिया जाए।

-आयुष्मान भारत योजना के तहत गरीब महिलाओं को विशेष सुविधा दी जाए।

-चौराहों पर भिक्षावृति की रोक लगाई जाए।

-मोहल्ला क्लीनिक की तर्ज पर गायनी क्लीनिक खोले जाए।

-घरेलू हिंसा की रोकथाम के उपाय।

-बजट में जो भी सुविधाएं दी जाए उसमें कागजी कार्रवाई को कम किया जाएं।

-बेटियों की सम्मान और सुरक्षा पर ध्यान दी जाए।

-एआई शिक्षा महिलाओं को दिलाने की योजना हो, महिलाओं को कौशल विकास करने में ध्यान दिया जाए।

-कोरोना के दौरान जो महिला अपने पति को खो चुकीं हैं अकेली राह गयी उनको बच्चों की फीस देने में परेशानी हो रही है। इसकी व्यवस्था की जाए।

-वर्किंग मदर्स के लिए हर पुलिस स्टेशन में एक क्रेच बनाया जाए।

दिल्ली में क्राइम ब्रांच ने महिला नक्सली को किया गिरफ्तार, झारखंड पुलिस से कर चुकी 3-3 मुठभेड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच टीम ने झारखंड की वांछित महिला नक्सली को गिरफ्तार किया है। महिला आरोपी दिल्ली में पहचान बदलकर रह रही थी। क्राइम ब्रांच के डीसीपी विक्रम सिंह ने बताया कि महिला आरोपी की उम्र 23 वर्ष है। और झारखंड की रहने वाली है।

डीसीपी ने बताया कि क्राइम ब्रांच की एक टीम एनसीआर क्षेत्र में रहने वाले माओवादी, चरमपंथियों से संबंधित एक गुप्त सूचना पर काम कर रही थी। मंगलवार को, टीम को एक माओवादी चरमपंथी के बारे में जानकारी मिली, जो माओवादी नक्सली समूह का सदस्य है। क्राइम ब्रांच को यह पता चला कि महिला नक्सली अपनी असली पहचान छिपाकर पीतमपुरा इलाके में रह रही है। इस जानकारी के बाद, आरोपी महिला को पकड़ लिया गया और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। डीसीपी के मुताबिक, आरोपी महिला झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के कुदाबुरू गांव की रहने वाली है। पुलिस के अनुसार, उस समय, शिविर में 300-450 व्यक्ति रहते थे, जिनमें 40-50 महिलाएं, उसकी उम्र के 4-5 बच्चे शामिल थे। गिरफ्तार महिला आरोपी अपने समय के दौरान, पांच साल तक कठोर और गहन प्रशिक्षण लिया, जहां उसे एक प्रशिक्षित नक्सली के रूप में तैयार किया गया। पूछताछ के अनुसार, यह पता चला है कि उसने एसएलआर, इंसास, एलएमजी, हैंड ग्रेनेड सहित अन्य अत्याधुनिक हथियारों को संभालने का व्यापक प्रशिक्षण लिया था।

पुलिस के अनुसार, गिरोह के साथ पैदल गश्त के दौरान, महिला आरोपी इंसास राइफल लेकर चलती थी। 2018 में, उसने कोल्हान में झारखंड पुलिस के साथ मुठभेड़ में भाग लिया, इसके बाद 2019 में पोराहाट और 2020 में सोनुआ में अपने कंपनी कमांडर के साथ इसी तरह की मुठभेड़ में शामिल रही। अपने गुट के कमांडर के निर्देश पर वह दिल्ली चली गई। 2020 में दिल्ली पहुंचने पर, उसने अपनी असली पहचान छिपाई और नोएडा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में एक हाउस क्लीनर के रूप में काम करना शुरू कर दिया। फिलहाल, वह पीतमपुरा इलाके में बस गई, जहाँ वो गुप्त रूप से रह रही थी।

दिल्ली में कांग्रेस पार्टी को पुनर्जीवित करने के लिए ब्लॉक और जिला कांग्रेस कमेटी की बैठकें फिर से शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव और उसमें मिली करारी हार के बाद प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने राजधानी में पार्टी को पुनर्जीवित करने के लिए ब्लॉक और जिला कांग्रेस कमेटी की बैठकें फिर से शुरू कर दी हैं। इससे जमीनी स्तर पर पार्टी को पुनर्जीवित किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनावों के कारण पिछले कुछ महीनों से यह बैठकें नहीं हो पाई थी, लेकिन जब ये बैठकें फिर से शुरू हुईं तो कार्यकर्ताओं की प्रतिक्रिया बहुत उत्साहजनक रही।

दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि 2 मार्च को 258 ब्लॉक और बुधवार, 5 मार्च को 14 जिलों में आयोजित ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठकों में सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इन बैठकों में पूर्व सांसदों, दिल्ली के पूर्व मंत्रियों, पूर्व विधायकों, पूर्व और वर्तमान नगर निगम पार्षदों और पदाधिकारियों सहित वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया।

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि ब्लॉक एवं जिला कांग्रेस कमेटी की बैठकों में दिए गए सुझावों एवं विचारों को ध्यान में रखते हुए पार्टी जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने की दिशा में काम करेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी जब जमीनी स्तर पर पार्टी को पुनर्जीवित करने के अभियान पर निकलेगी तो हाल के विधानसभा चुनावों के दौरान संगठन की ताकत एवं कमजोरियों पर ध्यान देंगी। पार्टी को मजबूत करने के लिए जहां भी आवश्यक होगा, बदलाव किए जाएंगे।

कांग्रेस करेगी जनता की आवाज बुलंद-देवेंद्र यादव ने कहा कि दिल्ली कांग्रेस, एक जिम्मेदार विपक्षी पार्टी के रूप में, दिल्ली में भाजपा सरकार द्वारा किए गए वादों को पूरा न करने और विकास कार्यों को फिर से शुरू करने में असफल रहने पर जनता की आवाज बुलंद करेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने अपने 15 साल के शासनकाल में दिल्ली को दुनिया के बेहतरीन शहरों में शामिल करने के लिए जो विकास कार्य किए थे, उन्हें केजरीवाल सरकार के 11 वर्षों के कुशासन ने नष्ट कर दिया। अब लोग भाजपा सरकार से राजधानी की पुरानी प्रतिष्ठा बहाल करने की उम्मीद हैं, जिसे दिल्ली कांग्रेस बारीकी से मॉनिटर करेगी।

भाजपा को करना होगा अपना वादा पूरा-दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार को खोखले भाषणों के सहारे नहीं छोड़ दिया जाएगा, बल्कि उसे जनता से किए गए वादों को पूरा करने के लिए मजबूर किया जाएगा। सबसे पहले, भाजपा सरकार को अपनी घोषणा के अनुसार, राजधानी की प्रत्येक महिला के खाते में हर महीने 2500 रुपए जमा करने और रुकी हुई जनकल्याणकारी पेंशनों का वितरण फिर से शुरू करने का वादा पूरा करना चाहिए। बता दें कि लंबे समय बाद कांग्रेस ने दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 पूरे दमखम के साथ लड़ा, लेकिन चुनाव नतीजे आशानुरूप नहीं आए। यहां तक कि चुनाव में वोट फीसद दहाई अंक तक भी नहीं पहुंचा। सभी प्रत्याशी चुनाव हार गए थे।

बीजेपी को अपना फोकस दिल्ली की जनता से किए गए वादों को पूरा करने पर करना चाहिए : आप

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी की प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की सुरक्षा काफिले को लेकर बीजेपी पर पलटवार किया है और कहा कि बीजेपी को गंदी राजनीति नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल को लेकर खतरे की आशंका के चलते गृह मंत्रालय ने उन्हें 'जेड प्लस' श्रेणी की सुरक्षा मुहैया कराई है।

उन्होंने कहा, 'बीजेपी को गंदी राजनीति छोड़कर दिल्ली से जुड़े मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। अरविंद केजरीवाल को सुबह-शाम गाली देने से कुछ नहीं होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली की जनता को डेडलाइंस दी थी, चाहे 8 मार्च की हो या होली की हो, बीजेपी को अपना फोकस वहां लेकर जाना चाहिए और दिल्ली की जनता से किए गए वादों को पूरा करना चाहिए।'

प्रवेश वर्मा के दावे का प्रियंका कक्कड़ ने खंडन किया

जब उनसे सवाल पूछा गया कि बीजेपी के विधायक और मंत्री प्रवेश वर्मा ने दावा किया था कि दिल्ली चुनाव हारने के बाद अरविंद केजरीवाल पंजाब का रूख करेंगे, वहां अपने लिए पद तलाशेंगे, राज्य सभा जा सकते है या मुख्यमंत्री भी बन सकते हैं। इस सवाल का प्रियंका कक्कड़ ने खंडन करते हुए कहा कि ऐसा कुछ भी नहीं है।

'केजरीवाल न तो पंजाब से राज्यसभा जाएंगे और ना सीएम बनेंगे'

आप प्रवक्ता ने आगे कहा, 'अरविंद केजरीवाल न तो पंजाब से राज्यसभा जा रहे हैं और न ही पंजाब के सीएम बन रहे हैं। मैं बीजेपी को कहना चाहूंगी कि अफवाह फैलाने से बचें, झूठे आरोप लगाने से बचें। जो आपने दिल्ली की जनता से वादे किए थे, उन पर फोकस करें।'

केजरीवाल के काफिले का वीडियो वायरल

दरअसल 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल विपश्यना के लिए पंजाब के होशियारपुर पहुंचे हैं। इस दौरान केजरीवाल के काफिले का वीडियो वायरल हो गया है। केजरीवाल के काफिले को लेकर बीजेपी के नेता और मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने तंज कसा है। बता दें कि अरविंद केजरीवाल को जेड कैटेगरी की सुरक्षा मिली हुई है।

सड़कों पर बिना रजिस्ट्रेशन के चल रहे वाहनों के खिलाफ चलाया जाएगा सघन अभियान : पंकज सिंह

-डीटीसी को घाटे से उबारने के लिए रोडमैप तैयार करने का दिया निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, दिल्ली सरकार परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए ठोस कदम उठा रही है। इसी क्रम में, दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने बुधवार को परिवहन विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस बैठक के दौरान माननीय मंत्री ने दिल्ली की सडकों पर बेहतर ट्रैफिक प्रबंधन के लिए बिना रजिस्ट्रेशन वाले वाहनों के खिलाफ सख्त अभियान चलाने के निर्देश दिए। इस बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव (परिवहन), एमडी दिल्ली मेट्रो के साथ परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारीयों ने भाग लिया। मंत्री ने सार्वजानिक परिवहन के साथ कमर्शियल वाहनों की लाइव ट्रैकिंग प्रणाली की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लाइव ट्रैकिंग को प्रभावी रूप से लागू करना आवश्यक है। दिल्ली सचिवालय में आयोजित इस बैठक के दौरान अधिकारीयों ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से माननीय मंत्री को ई-चालान प्रणाली, पुराने वाहनों को हटाने, एआई तकनीक के उपयोग और इलेक्ट्रिक वाहन नीति के क्रियान्वयन में आ रही चुनौतियों से अवगत कराया। मंत्री ने दिल्ली की सडकों पर वाहनों के अतिक्रमण रोकने के लिए सख्त अभियान चलाने का निर्देश देते हुए कहा कि 'हमारा लक्ष्य 'विकसित दिल्ली' का निर्माण करना है, जिसके लिए अगले 100 दिनों के रोडमैप पर कार्य किया जाएगा। ÷ उन्होंने परिवहन विभाग के एनफोर्समेंट विंग में दिल्ली में जाम की समस्या को देखते हुए वाहनों के चेकिंग के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों को सडकों पर उतारने का निर्देश दिया। बैठक में ई-चालान प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए, उन्होंने बिना वैध फिटनेस प्रमाणपत्र के सडकों पर चल रहे पेट्रोल, डीजल, एवं सीएनजी वाहनों पर नियमों के आधार पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही, ऐसे पेट्रोल पंप संचालकों पर भी कार्रवाई करने को कहा जो इन अनफिट वाहनों को ईंधन देते हैं। माननीय मंत्री ने कहा कि यह बात संज्ञान में आई है कि भारी वाहनों द्वारा स्लिप रोड का उपयोग किया जाता है जिनपर भारी वाहनों का संचालन प्रतिबंधित है। इस विषय पर माननीय मंत्री ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि 'ऐसे ट्रक चालकों पर सख्त कार्रवाई आवश्यक है।' इसके अतिरिक्त, दिल्ली के परिवहन मंत्री ने डीटीआईडीसी के प्रभावी वित्तीय प्रबंधन की सराहना की। उन्होंने अधिकारियों को इलेक्ट्रिक वाहन नीति के लक्ष्यों की समीक्षा कर अप्रैल 2025 से लागू होने वाली नई नीति पर पुनः कार्य करने का निर्देश दिया। मंत्री ने मुकुंदपुर से मौजपुर, आर.के. आश्रम से जनकपुरी पश्चिम और एरोसिटी से तुगलकाबाद तक नई मेट्रो लाइनों की प्रगति की भी समीक्षा की और इनके शीघ्र पूरा होने पर जोर दिया।

जन-जन का विश्वविद्यालय है इग्नू : धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) परिसर में बुधवार को 38वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर तीन लाख से अधिक छात्रों को डिग्री, डिप्लोमा और प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर केंद्र सरकार के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने ऑनलाइन संदेश मे कहा कि इग्नू जन-जन का विश्वविद्यालय है।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि आज इग्नू 3.17 लाख से अधिक छात्रों की सफलता का जश्न मनाया जा रहा है, जो विश्वविद्यालय के इतिहास में सबसे अधिक है। 1985 में अपनी स्थापना के बाद से इग्नू ने शिक्षा को किफायती, लचीला और समावेशी बनाकर, इसमें क्रांति ला दी है। 35 लाख से अधिक शिक्षार्थियों और 58 देशों में एक मजबूत वैश्विक उपस्थिति के साथ इग्नू दुनिया का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय है। वहीं, समारोह में मुख्य अतिथि आईआईएम तिरुचिरापल्ली के निदेशक प्रो. पवन कुमार सिंह ने उच्च शिक्षा को समाज के सभी वर्गों के लिए सुलभ बनाने के विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की। इग्नू की कुलपति प्रो. उमा कांजीलाल ने बताया कि अग्निवीरों के लिए विशेष रूप से पांच कौशल-आधारित स्नातक डिग्री कार्यक्रम तैयार किए गए हैं। इनमें 5000 से अधिक अग्निवीरों का नामांकन किया गया है। विश्वविद्यालय लगातार नए शैक्षणिक कार्यक्रम जोड़ रहा है और नए शिक्षार्थी वर्गों तक पहुंच बना रहा है। 2024 में कुल 47 नए कार्यक्रम शुरू किए गए, जिससे कार्यक्रमों की कुल संख्या 334 हो गई। विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

छात्रों से अधिक छात्राओं ने प्राप्त की डिग्री

दीक्षांत समारोह में कुल 3,17,062 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। इसमें से 1,68,711 छात्राएं और 1,45,472 छात्र हैं। स्नातक में 1,33,082 और परास्नातक में 1,34,385 अभ्यर्थियों को डिग्री मिली। 33,603 को डिप्लोमा, 16,017 अभ्यर्थियों को सर्टिफिकेट, 92 को पीएचडी और दो को एमफिल की डिग्री प्रदान की गई।

दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर को राष्ट्रपति ने प्रदान किया अनुसंधान पुरस्कार

-विश्वविद्यालय में उत्कृष्टता पैदा करने में कुलपति प्रो. योगेश सिंह की रही है अहम भूमिका-प्रो. रीना चक्रवर्ती

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्कृष्ट नवाचार, अनुसंधान कार्य और प्रौद्योगिकी विकास के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की एक प्रोफेसर को भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा पुरस्कृत किया गया है। राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल में 3 मार्च को आयोजित समारोह में 8वें विजिटर्स अवार्ड, 2023 प्रदान किए थे। जैविक विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान पुरस्कार इस वर्ष दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर (डॉ.) रीना चक्रवर्ती को प्रदान किया गया है। गौरतलब है कि यह पुरस्कार 2015 से भारत सरकार द्वारा प्रतिवर्ष दिया जाता है। पुरस्कार विजेताओं को एक प्रमाण पत्र और नकद पुरस्कार मिलता है। इस पुरस्कार के लिए डीयू कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने उन्हें बधाई दी और कहा कि विश्वविद्यालयों का उद्देश्य ऐसे शोध को बढ़ावा देना होना चाहिए जो राष्ट्र की प्रगति में सहयोग दें।

विदित रहे कि डॉ. चक्रवर्ती ने 1992 में दिल्ली विश्वविद्यालय के प्राणी शास्त्र विभाग में लेक्चरर के रूप में ज्वाइन किया था। वर्तमान में वह एक वरिष्ठ प्रोफेसर हैं और विभागाध्यक्ष का पद संभाल रही हैं। प्रो. चक्रवर्ती ने अपने नियमित कार्यभार के अलावा मछली पालन में उन्नत अनुसंधान करने के लिए एक परिष्कृत अनुसंधान प्रयोगशाला विकसित करने का प्रयास किया। इस उद्देश्य के लिए, विश्वविद्यालय से वित्तीय सहायता के अलावा, उन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों से अनुसंधान अनुदान प्राप्त किया। प्रो. चक्रवर्ती ने कहा कि विश्वविद्यालय में उत्कृष्टता पैदा करने में कुलपति प्रो. योगेश सिंह की अहम भूमिका रही है। विभाग में चल रहे शोध का अवलोकन करने के लिए कुलपति समय-समय पर विभाग का दौरा करते रहते हैं और संकाय सदस्यों के साथ-साथ शोध छात्रों से भी बातचीत कर के उन्हें प्रेरित करते रहते हैं। इसी का परिणाम है कि डीयू को यह पुरस्कार मिला है।

प्रो. चक्रवर्ती का शोध योगदान

प्रो. रीना चक्रवर्ती ने बताया कि मछली की खपत में काफी वृद्धि हुई है, लेकिन अंतर्देशीय मछली पालन के लिए जगह और पानी एक सीमित कारक रहा है। किचन गार्डन या रूफ टॉप गार्डन की तरह, उन्होंने और उनकी टीम ने इन-हाउस माइक्रो-क्लाइमेट कंट्रोलिंग सिस्टम तैयार किया है, जहाँ पानी और जगह की न्यूनतम उपलब्धता के साथ साल भर विभिन्न प्रकार की मछलियां पाली जा सकती हैं। यह रिसर्कुलेटिंग एक्वाकल्चर सिस्टम (क्रास) पर्यावरण के अनुकूल और लागत प्रभावी है। एक्वाकल्चर अपशिष्ट को विभिन्न बायो-फ़िल्टर के साथ हटा दिया जाता है और सिस्टम में फिर से उपयोग किया जाता है। ऐसे बायोफिल्टर में से एक कुछ पौधे की प्रजातियाँ हैं जिनका उपयोग पत्तेदार सब्जियों के रूप में भी किया जाता है। इसे एक्वापोनिक्स सिस्टम के रूप में जाना जाता है, जिसने मछली पालकों को अतिरिक्त आय प्रदान की। मछली पालन में फीड की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। फ़ीड की पसंद न केवल मछलियों के प्रकार के साथ बदलती है, बल्कि उनकी उम्र के साथ भी बदलती है। चक्रवर्ती ने बताया कि उन्होंने कुछ अनूठी जड़ी-बूटियों के साथ मछली-आयु विशिष्ट फ़ीड विकसित की है जो न केवल उनकी वृद्धि को बढ़ाएगी बल्कि उनकी प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाएगी।

शोध का प्रभाव

प्रो. चक्रवर्ती और उनकी टीम ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश और हरियाणा में किसानों के तालाबों में कई किसान-वैज्ञानिक संपर्क कार्यक्रम और क्षेत्र प्रदर्शन आयोजित किए हैं, ताकि उनके अभ्यासों के पैकेज का प्रसार किया जा सके।

बुलडोजर चलवाते, कैंची लेकर क्यों गए

लखनऊ। में अंसल ग्रुप की धोखाधड़ी को लेकर यूपी की सियासत गर्म है। सीएम योगी ने विधानसभा में सपा सरकार पर हमला बोला। अंसल ग्रुप को सपा की उपज बताया। कहा- सरकार दोषियों को पाताल से भी खोज निकालेगी। योगी के इस बयान पर अखिलेश यादव ने जवाब दिया है। उन्होंने पर लिखा- अगर सब गलत था तो आप वहां अपना बुलडोजर लेकर जाते, कैंची लेकर उद्घाटन करने क्यों पहुंच गए? तब नहीं मालूम था कि अंसल ग्रुप क्या कर रहा? उनके सत्ता से बेदखल होने की जो चचाएं हर तरफ फैली हैं। ये उसकी खीझ है। योगी ने मंगलवार को विधानसभा में कहा- अंसल ग्रुप ने होम बायर्स के साथ धोखा किया। यह सब सपा सरकार में हुआ। चेतावनी देते हुए कहा- अगर अंसल ने किसी भी बायर्स के साथ धोखाधड़ी की है, तो उसकी सारी संपत्ति जब्त की जाएगी। सपा सरकार के समय अंसल की अवैध मांगों को पूरा किया गया। भाजपा सरकार अब इस पर शिकंजा कस रही। अंसल ग्रुप के खिलाफ एफआईआर का आदेश दे दिया गया है। अखिलेश यादव ने कहा- अपनी नाकामी को छुपाने के लिए जब लोग किसी और का नाम लेते हैं, तो भूल जाते हैं कि उसी के नाम से बनी सिटी में स्थित मॉल और हॉस्पिटल का उन्होंने ही उद्घाटन किया था। उसी विशाल परिसर में बने एक नए होटल में G-20 के मेहमान आपने ही ठहराए थे। वही

वो जगह है, जहां अरबों रुपए का सच्चा इंवेस्टमेंट आया। निवेशकों पर आरोप लगाकर हतोत्साहित करने से न तो निवेश का विकास होगा और न ही प्रदेश का। यूपी के सभी समझदार लोग कह रहे हैं, अगर सब गलत था तो आप वहां अपना बुलडोजर लेकर जाते, कैंची लेकर उद्घाटन करने क्यों पहुंच गए? जनता कह रही है, जब उसे ढूंढने पाताल लोक जाएं तो परतों में दबी उस गहरी वजह की भी खोज-खबर लेते आएं, जो उनकी गद्दी को हिला रही है। उनके सत्ता से बेदखल होने की जो चचाएं हर तरफ फैली हैं। ये उसकी खीझ है। विस्थापन का डर ही उनके मुंह से ऊंची आवाज बनकर निकल रहा है। सफलता व्यक्ति को शांत, शालीन और शिष्ट बनाती है और विफलता वही जो दिख रहा है।

अंसल मामले को लेकर सीएम ने सोमवार को लखनऊ विकास प्राधिकरण और रेरा के अफसरों की बैठक बुलाई थी। इसमें उन्होंने अंसल प्रबंधक के खिलाफ FIR दर्ज करवाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद छऊअ के अमीन ने गोमतीनगर थाने में अंसल प्रॉपर्टीज एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर के मालिक पिता-पुत्र समेत 5 लोगों पर मुकदमा दर्ज करवाया। इनमें अंसल प्रमोटर प्रणव अंसल, सुशील अंसल, सुनील गुप्ता, डायरेक्टर विनय सिंह और फेरन्सेटी पैट्रिका अटकिंशन का नाम शामिल है। अमीन अर्पित शर्मा ने आरोप लगाया है कि प्राधिकरण ने 2005 में 1765 एकड़ की हाईटेक टाउनशिप विकसित करने के लिए चिह्नित किया था।

इसकी डीपीआर 2006 में स्वीकृत की गई। अंसल ने टाउनशिप विकसित करने का काम शुरू किया। स्वीकृत टाउनशिप में कंपनी ने खरीदी गई जमीन के अलावा ग्राम समाज, सीलिंग, तालाब, राज्य सरकार के नाम दर्ज, परती, बंजर, नहर और नाली की जमीन अपने प्रोजेक्ट में शामिल कर लिया। इसकी जानकारी प्राधिकरण को नहीं दी और बेच दिया।

कत्ल के सबूत छुपाने के गुनाहगार को उम्रकैद की सजा के साथ ही हुआ बारह हजार रुपये का जुमार्ना

संवाददाता

हमीरपुर। (सैय्यद जावेद अख्तर) उत्तर प्रदेश के मझगवां क्षेत्र के ग्राम मोहानी में 23 फरवरी 2021 को रामस्वरूप ने अपनी पत्नी का गला दबाकर कत्ल करने के बाद उसके शव को जंगल मे ले जाकर जलाने के बाद बचे हुये हिस्सों को छुपा दिया था, जिसके बाद अ0सं0-25/2021 धाराझ 302,201 आईपीसी के तहत अभियुक्त रामस्वरुप पुत्र चिरन्जीलाल के खिलाफ कत्ल के साथ ही सुबूत मिटाने की संगीन धाराओं में मझगवां पुलिस ने मामला दर्ज किया गया था, वहीं आपरेशन

कन्विक्शन के तहत हमीरपुर की अपर जिला सत्र फर्स्ट अदालत के स्कालर जज ने रामस्वरुप को गुनाहगार मानते हुये उम्रकैद की सजा के साथ ही सुनाया बारह हजार रुपये का जुमार्ना, वहीं मामले की जांच इंस्पैक्टर राम जीत गौड़ ने पूरी करने के बाद अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी थी, वहीं अभियोजन की तरफ से अदालत में जोरदार पैरवी करते हुये एडीजीसी राजेश कुमार तिवारी ने अपनी दमदार दलीलों से बचाव पक्ष की बोलती बंद करते हुये अभियुक्त को सख्त सजा देने की मांग की थी।

विनोद चौधरी को मिली जमानत, समर्थकों में खुशी की लहर

संवाददाता

कुशीनगर। भाजपा नेता पूर्व विधायक विनोद कुमार चौधरी को एक चौतीस साल पुराने मामले में न्यायालय से जमानत मिलने पर समर्थकों ने एक दूसरे को मिठाई खिला कर खुशी का इजहार किया। इक्यावन वर्षीय विधायक विनोद कुमार चौधरी जो उस दौर में युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष थे। अब वह चार वर्ष से भाजपा में हैं जो नौजवानों की समस्याओं को लेकर तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की सरकार के खिलाफ लखनऊ में एक जनांदोलन किए थे। जिसमें लाठी चार्ज और पुलिस बर्बरता की बात सामने आई थी।

इस आंदोलन में पूरे राज्य से हजारों की संख्या में नौजवान लखनऊ पहुंचे थे। तब उत्तराखंड भी उत्तर प्रदेश का हिस्सा हुआ करता था। इस आंदोलन में करीब तीन हजार नौजवान विधान सभा में घुसने का प्रयास किए जिसके चलते पुलिस ने करीब तीन सौ लोगों को गिरफ्तार किया था जो बाद में बिना शर्त रिहा कर दिए थे। इन्हीं मामलों को लेकर पुलिस ने हजरत गंज कोतवाली में एक मुकदमा लिख दिया था जिसकी जानकारी किसी को नहीं थी और 34 वर्ष पर गैर जमानती वारंट न्यायालय से जारी हो गया , वारंट की जानकारी होने पर श्री चौधरी सहित कई ने गत दिनों न्यायालय में समर्पण किया और न्यायालय ने जमानत याचिका स्वीकार करते हुए जमानत दे दी है। उक्त खबर पर कुशीनगर से श्री चौधरी समर्थक तमाम लोग जो उस वक्त युवक कांग्रेस से जुड़े थे जो आज विभिन्न दलों में से जुड़ चुके हैं उनमें युवक कांग्रेस के तत्कालीन जिलाध्यक्ष अजय प्रताप नारायण सिंह, आनंद शरण पांडे शिशु, नलिनी कांत मणि त्रिपाठी, अतुल दुबे, ओम प्रकाश गुप्ता, कृष्ण कुमार राय, रमेश कुमार गुप्त, अनिल शुक्ला, ज्ञान प्रकाश पाठक, प्रमोद कुमार पांडे, डाक्टर वी पी सिंह, अजय मिश्रा, दिनेश उपाध्याय, शिव जी गुप्त, सर्वजीत गिरी आदि ने विनोद कुमार चौधरी की जमानत मंजूर होने पर हर्ष व्यक्त करते हुए एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया है।

नाबालिग का अपहरण करने वाले गुनाहगार को सात साल की सख्त सजा के साथ ही हुआ बीस हजार रुपये का जुमार्ना

संवाददाता

हमीरपुर। (सैय्यद जावेद अख्तर) उत्तर प्रदेश के हमीरपुर के कुरारा में 21 मार्च 2016 में नाबालिग युवती को घर से बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के साथ ही बलात्कार करने के जुर्म में कुरारा थाना क्षेत्र के ग्राम मंगलपुर निवासीभूरा पुत्र पप्पू उर्फ अमित कुमार के खिलाफ छात्रा के पिता की तहरीर पर अ0सं0-75/2016 धाराझ 363,366,376 आईपीसी सहित 4 पाक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था, जबकि आपरेशन कन्विक्शन के तहत हमीरपुर की पाक्सो अदालत की स्कालर जज कीर्ति माला सिंह

ने अभियुक्त भूरा को गुनाहगार मानते हुये सात साल की सख्त सजा के साथ ही हुआ बीस हजार रुपये का जुमार्ना, जबकि मामले की जांच एस आई संजय मिश्रा ने पूरी करने के बाद अदालत में चार्जशीट दाखिल करदी थी, वहीं अभियोजक ने अदालत से अभियुक्त को सख्त सजा देने की मांग की थी।

2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाना है: शशांक मणि

संवाददाता

कुशीनगर। मंगलवार को स्थानीय ब्लॉक सभागार में भाजपा द्वारा आयोजित 'अमृत प्रयास गोष्ठी' में राष्ट्रीय उद्यम के विकास पर चर्चा की गई और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी, दीन दयाल उपाध्याय और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर पुष्प अर्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया।

मुख्य अतिथि क्षेत्रीय सांसद शशांक मणि त्रिपाठी ने कहा विकसित भारत एक संकल्प और चुनौती है, जिसे केंद्र

और राज्य की सरकारें पूरा करने के लिए प्रयासरत हैं। 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाना भाजपा सरकारों का संकल्प है। उन्होंने संसद में एनसीसी की तर्ज पर 'राष्ट्रीय उद्यम विकास कोर' बनाने का प्रस्ताव पेश करने की बात भी कही। पूर्व विधायक गंगा सिंह कुशवाहा ने 'सबका साथ, सबका विकास, और सबका प्रयास' के महत्व को रेखांकित किया। प्रमुख प्रतिनिधि राजेश कुमार जायसवाल ने सरकार की नीतियों और योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की आवश्यकता पर जोर दिया। बीडीओ रवि कुमार रंजन ने गोष्ठी की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम को मंडल अध्यक्ष राणा प्रताप सिंह, अमलेश तिवारी, बबुना कुशवाहा, जेके सिंह और दीपक सिंह पटेल ने भी संबोधित किया। ब्लॉक प्रधान संघ के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह कुशवाहा ने अतिथियों का स्वागत किया और आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर भाजपा नेता मनोज चौबे ने सांसद शशांक मणि त्रिपाठी को प्रतीक चिन्ह भेंटकर उनका स्वागत किया।

राष्ट्रीय आय योग्यता छात्रवृत्ति परीक्षा में कंपोजिट विद्यालय जंगलीपट्टी के दस छात्र व छात्राएं सफल

संवाददाता

कुशीनगर। राष्ट्रीय आय योग्यता छात्रवृत्ति परीक्षा में सेवरही विकास खंड के कंपोजिट विद्यालय जंगलीपट्टी के दस छात्र व छात्राओं ने सफलता प्राप्त कर क्षेत्र का मान बढ़ाया है। बच्चों के सफलता पर विद्यालय परिवार में खुशी का लहर है। बीते 10 नवंबर को विद्यालय की इस प्रतियोगिता में सफल होने वाले छात्र व छात्राओं को प्रति वर्ष 12 हजार रुपए सरकार द्वारा मिलेंगे। इस बच्चों ने जिले में नंदनी कुमारी जिला रैंक 3, नीतीश कुमार सिंह रैंक 5, मुस्कान खातून रैंक 11, अभिषेक निषाद रैंक 13, रेशमा खतून रैंक 21, स्नेहा कुमारी रैंक 24, जेमी निषाद रैंक 26, गोविंद कुशवाहा रैंक 31, संध्या निषाद रैंक 32, अनुप कुमार रैंक 40 पाकर शानदार सफलता हासिल किया है। प्रधानाध्यापक अजय कुशवाहा व ग्राम प्रधान ने सफल छात्र व छात्राओं को माला पहनाकर व मिष्ठान खिलाकर सम्मानित किया। इस मौके पर शिक्षक प्रमोद कुमार सिंह, अरविंद तिवारी, नवीन कुमार, अजीत कुमार, रजनीश विश्वकर्मा तथा यूसुफ अहमद, मोहन मुखिया, रीना सिंह, काजल व गणमान्य लोगों ने इनके सफलता पर उज्वल भविष्य की कामना की।

10 साल पुरानी जल निकासी की समस्या का समाधान

औरैया। के डीएम डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी ने विकासखंड सहार की ग्राम पंचायत मधवापुर के मजरा मड़नई का दौरा किया। उन्होंने यहां की 10 साल पुरानी जल निकासी की समस्या का समाधान किया। डीएम ने खंड विकास अधिकारी राजनारायण को निर्देश दिए कि अगले दिन ही लोक निर्माण विभाग के अवर अभियंता और आरईएस के अधिशाषी अभियंता को बुलाएं। नाली निर्माण का डिजाइन और नपती कराकर दो दिन में काम शुरू करवाएं। डीएम ने नाली निर्माण का विरोध कर रहे लोगों से बातचीत की। उन्होंने ग्रामवासियों

को समझाया कि नाली बनने से उनकी समस्याएं दूर होंगी। साथ ही आवागमन में भी कोई परेशानी नहीं होगी। जिलाधिकारी ने ग्राम पंचायत सचिव और लेखपाल को भी महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्हें पूरी भूमि की नपती करने और पुराने भवन को हटाने की कार्रवाई करने को कहा। अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ धारा 2/3 और पक्के मकान बनाने वालों के खिलाफ धारा 67 के तहत एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए। दो दिन में कब्जा खाली करने को कहा ब्जाधारकों को दो दिन में अपना कब्जा खाली करने को कहा गया है। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए थानाध्यक्ष दिबियापुर को पुलिस बल तैनात करने के निर्देश दिए गए हैं।

इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख ऋषि सिंह, थानाध्यक्ष दिबियापुर मुकेश चौहान, खंड विकास अधिकारी राजनारायण, ग्राम प्रधान, लेखपाल और ग्राम पंचायत सचिव मौजूद रहे।

वंदे भारत ट्रेन की टक्कर से व्यक्ति की मौत

औरैया। दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग पर एक दुर्घटना में वंदे भारत ट्रेन की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना रात 7:48 बजे अछल्दा के पास हुई। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। वह लगभग 38 वर्ष का था और नीली शर्ट व काला पैंट पहने हुए था। दुर्घटना अयोध्या कैंट से आनंद बिहार नई दिल्ली जा रही वंदे भारत के साथ हुई। दुर्घटना के बाद लोको पायलट ने ट्रेन को तुरंत स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर रोका। ट्रेन 7:53 बजे अपने गंतव्य के लिए रवाना हुई। ट्रैक पर शव होने के कारण बनारस से आगरा जा रही दूसरी वंदे भारत (ट्रेन संख्या 20175) को होम सिग्नल पर रोकना पड़ा।

कुशीनगर में महिला सशक्तिकरण और बौद्ध धरोहर का संगम

संवाददाता

कुशीनगर। राजकीय बौद्ध संग्रहालय, कुशीनगर (संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश) द्वारा दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के हीरक जयंती समारोह- 2025 के उपलक्ष्य पर दोनों के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम विशंभरपुर, कुशीनगर में महिला सशक्तिकरण विषय पर एक महत्वपूर्ण चौपाल का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम में गोरखपुर विश्वविद्यालय से साइकिल से चलकर आए उत्साही छात्र-छात्राओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया, जो महिला

सशक्तिकरण के प्रति उनके समर्पण को दशार्ता है।इसी क्रम में, म्यांमार बुद्ध विहार, कुशीनगर में ₹रूट्स ऑफ बुद्धिज्म₹ विषय पर एक भव्य छायांकन प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन भिक्षु संघ अध्यक्ष अग्ग महापंडित भदंत ज्ञानेश्वर जी ने अपने कर-कमलों से किया। आयोजनों में संग्रहालय के तेजप्रताप शुक्ला ने सूत्रधार की भूमिका निभाई, जबकि संग्रहालय के तरुण शुक्ला ने सभी अतिथियों के प्रति अपना हार्दिक आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में वीरेंद्र सिंह अहलूवालिया, सचिव, बुद्धा पी जी कॉलेज, डॉ. गौरव तिवारी, विभागाध्यक्ष, बुद्धा पी जी कॉलेज, डॉ. निगम मौर्य, विभागाध्यक्ष, बुद्धा पी जी कॉलेज और डॉ. नंदकिशोर सिंह जी की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। संग्रहालय के धीरेंद्र मिश्रा, दिनेश दुबे, नसीरुद्दीन बेग और अन्य सदस्यों ने इन कार्यक्रमों को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

संक्षिप्त डायरी

बाल सम्मान कोष योजना के पैंडिंग पडे. तीस मामलों में बीस हुये स्वीकृत, जबकि दस मामलों को किया गया खारिज

संवाददाता

हमीरपुर। (सैय्यद जावेद अख्तर) उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिलाधिकारी घनश्याम मीना की अध्यक्षता में उ०प्र० रानी लक्ष्मी बाई महिला, बाल सम्मान कोष योजना के तहत पैंडिंग मामलों में डिस्पोजल के लिये योजनान्तर्गत गठित जिला संचालन समिति की बैठक कलेक्ट्रेट स्थित डॉ एपीजे अब्दुल कलाम मीटिंग हाल में सम्पन्न हुई। बैठक में 30 मामलों में विचार विमर्श कर किया गया। ये सारे मामले दहेज और पाक्सो एक्ट से जुड़े थे । इन 30 मामलों मे नियमानुसार पाए गए 20 मामलों को स्वीकृत करने के साथ ही 10 मामलों को रिजैक्ट किये जाने का फैसला लिया गया, जबकि स्वीकृत किये गये 20 मामलों में सभी लाभार्थियों को तीन-तीन लाख रुपये की,इसी तरह कुल 60 लाख रुपए की आर्थिक मदद महिला कल्याण विभाग की तरफ से निदेशालय लेबल से दिया जायेगा। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि रानी लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोष के तहत मामलों को पेंडिंग न रक्खा जाय, बल्कि उनका वख्त से डिस्पोजल तय किया जाये, ताकि पीड़ित ,पात्र व्यक्तियों को वख्त से इस योजना का फायदा दिया जा सके। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी चंद्र शेखर शुक्ला, सीएमओ डॉ गीतम सिंह , अपर पुलिस अधीक्षक, वरिष्ठ कोषाधिकारी श्रवण कुमार सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी, प्रतिनिधि सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, समर्थ फाउन्डेशन कुरारा एन०जी०ओ०, एलडीएम मौजूद रहे।

बुद्धिस्ट नोबेलाइजेशन फाउंडेशन का कुशीनगर में खुला कार्यालय

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। बुधवार को वार्ड नं. 20 निकट रामाभार स्तूप अनिरुद्धवा में बुद्धिस्ट नोबेलाइजेशन फाउंडेशन का मुख्य अतिथि के द्वारा फीता काट कर उद्घाटन किया गया। इस दौरान बौद्ध श्रद्धालुओ व भिक्षुओं को भोजन दान व अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। जिसमे सैकड़ों बौद्ध श्रद्धालुओं व स्थानीय लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सिद्धार्थ कुमार सिंह (एडवोकेट सुप्रीम कोर्ट) ने संस्था के कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संस्था बौद्ध धर्म के उत्थान के लिए हर संभव मदद करेगी।कुशीनगर में बौद्धों धर्म के सिद्धांत व नियम आदि की शिक्षा दी जाएगी। इसके अलावा बौद्ध धर्म की मूल भाषा पाली का अध्ययन व भिक्षुओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा। बौद्ध साधकों के लिए विपश्यना व रहने खाने की निः शुल्क व्यस्था की जाएगी। कार्यक्रम में आए बौद्ध श्रद्धालुओ व अतिथियों का स्वागत भंते रत्नाकर ने किया। इस दौरान भिक्खू बुद्ध प्रिय बोध गया, डॉ. एल पी जी त्रिरत्न बुद्ध बिहार बिल्लौर, भंते शीलबचन, भंते बीर भद्र गाजीपुर, पूर्व प्रधान रामबिलास यादव, विजय जुआठा, सोनू पासवान, सुनील कुमार सिंह, हृदयप्रकाश तूफानी आदि लोग मौजूद रहे।

अबोहर में पारिवारिक विवाद के बाद पति लापता

अबोहर। पंजाब के फाजिल्का जिले के अबोहर में एक होटल कर्मचारी पारिवारिक विवाद के बाद से लापता है। मामले की सूचना पर पहुंची पुलिस द्वारा होटल कर्मचारी की तलाश की जा रही है, फिलहाल कोई सुराग नहीं मिल पाया है। घरेलू मामले में पति-पत्नी में कहासुनी जानकारी के अनुसार ईदगाह बस्ती का मुकेश पुत्र पूर्ण राम 5 मार्च दोपहर से लापता है। मुकेश एक होटल में काम करता है और उसकी पत्नी एक ज्वैलरी शॉप में कार्यरत है। दोपहर में पति-पत्नी के बीच किसी घरेलू मामले को लेकर कहासुनी हुई। इसके बाद मुकेश अपनी बाइक लेकर घर से निकल गया।जब वह देर शाम तक घर नहीं लौटा, तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। अगली सुबह उसकी बाइक खुईखेड़ा नहर के किनारे खड़ी मिली। परिजन नहर में भी तलाश कर रहे हैं। पुलिस को मामले की सूचना दे दी गई है, लेकिन अभी तक मुकेश का कोई सुराग नहीं मिल पाया है।

उप डाकघर में सिस्टम फेल कंप्यूटर खराब होने से दो दिन से लेनदेन ठप, पेंशनधारक परेशान

औरैया। के अछल्दा कस्बा स्थित सराय बाजार उप डाकघर में कंप्यूटर सिस्टम खराब हो गया है। सीपीयू में आई तकनीकी खराबी के कारण पिछले दो दिनों से सभी कार्य प्रभावित हैं। डाकघर में धन जमा करने और निकालने वाले लोगों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बुधवार को सुबह से ही लोग डाकघर में अपने काम के लिए आए। लेकिन सिस्टम खराब

होने के कारण कई लोगों को बिना काम के ही वापस लौटना पड़ा। गांव चिंता नगला की रहने वाली लाली देवी ने बताया कि वह पिछले दो दिनों से लगातार डाकघर के चक्कर काट रही हैं। उन्हें अपनी पेंशन की स्थिति की जानकारी लेनी थी। लेकिन सिस्टम खराब होने के कारण कोई भी काम नहीं हो पा रहा है। बार-बार आने से उन्हें काफी परेशानी हो रही है। सिस्टम सही कराने की मांग स्थानीय लोगों ने डाक विभाग से मांग की है कि जल्द से जल्द कंप्यूटर सिस्टम को ठीक कराया जाए। ताकि डाकघर की सेवाएं सुचारू रूप से चल सकें और लोगों को परेशानी न हो।

MP-MLA के समर्थक आपस में भिड़े, 6 घायल

पप्पू यादव के लोगों ने मारपीट और बंधक बनाने का लगाया आरोप, जमीन विवाद में झड़प

पूर्णिया। के कसबा में मंगलवार को निर्दलीय सांसद पप्पू यादव और कसबा से कांग्रेस विधायक अफाक आलम के समर्थक आपस में भिड़ गए। आपसी भिड़ंत में विधायक समर्थकों ने सांसद समर्थकों को न सिर्फ बुरी तरह पीटा बल्कि उन्हें बंधक भी बना लिया। मारपीट में सांसद के करीब 6 समर्थक घायल हो गए। हालात इतने बिगड़ गए पुलिस की 4 गाड़ियां मौके पर पहुंची, जिसके बाद किसी तरह सिचुएशन अंडर कंट्रोल हो सका। घायलों में निर्दलीय सांसद पप्पू यादव के जिला सचिव मो. रिजवान और मो. मुफ्तार सहित अन्य हैं। मामला कसबा थाना क्षेत्र के सबदलपुर पंचायत से जुड़ा है।

घायल सांसद समर्थक मो. रिजवान ने कहा कि कसबा थाना क्षेत्र के सब्दलपुर पंचायत की जमीन को लेकर मो. मुफ्तार (सांसद समर्थक) का विवाद चल रहा है। विवाद परिवार वालों से है। जमीन के रुपए गबन करने की नीयत से पारिवारिक सदस्य ने 10 दिन पहले मुफ्तार के पिता मो. कालू को बंधक बनाया था। मुफ्तार के पिता की कोई खोज खबर नहीं मिल रही थी। इसी बीच ग्रामीणों से सूचना मिली कि परिवार वाले उन्हें बंधक बनाकर घर में छिपा कर रखा है। जिसके बाद हमलोग अपने कुछ साथियों के साथ उन्हें छुड़ाने के लिए सब्दलपुर पहुंचे। बताया कि गांव में पहुंचते ही कांग्रेस विधायक

अफाक आलम के समर्थक विरोधी पक्ष की ओर से खड़े हो गए। विधायक के भाई के इशारे पर मामले को भड़काया गया। विरोध करने पर विधायक के समर्थकों ने मारपीट कर हमें बंधक बना लिया। ये सब राजनीति से प्रेरित होकर किया गया। विधायक समर्थकों के खिलाफ दिया आवेदन मामले की जानकारी मिलते ही कसबा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। हालत इतने खराब थे कि पुलिस की 3 और गाड़ियां मौके पर बुलानी पड़ी। जिसके बाद किसी तरह विधायक समर्थक के चंगुल से हमें निकाला गया। मारपीट में सांसद समर्थकों को काफी चोटें आई हैं। ग्रामीणों और साथियों की मदद से स्थानीय अस्पताल में एडमिट कराया गया। सांसद समर्थकों ने इलाज के बाद स्थानीय कसबा थाना में विधायक समर्थकों पर मारपीट का आरोप लगाते हुए आवेदन दिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।मामले को लेकर कांग्रेस विधायक अफाक आलम और उनके भाई का पक्ष रखने के लिए उनसे संपर्क किया गया, पर उनसे बात नहीं हो पाई। कसबा थानाध्यक्ष अजय कुमार अजनबी ने कहा कि मामला जमीन से जुड़ा है। मो. मुफ्तार के पिता सब्दलपुर गांव में रिश्तेदार के घर में थे। बेटा मो. मुफ्तार अपने साथी मो. रिजवान के साथ पिता को सब्दलपुर से लाने गया था। इसी दौरान परिवार वालों से उनकी हल्की मारपीट हुई। मामले को शांत करा लिया गया।

संक्षिप्त डायरी

युवक ने खुद के अपहरण की रची साजिश, गिरफ्तार

औरंगाबाद। में एक युवक ने खुद के अपहरण की झूठी साजिश रची और अपने पिता से 5 लाख रुपए की फिरौती मांगी। युवक को ऑनलाइन गेम की लत लगी है। जिसमें वो मोटी रकम गंवा चुका है। उसके ऊपर 14 लाख रुपए कर्ज हो चुका था। कर्ज से मुक्त होने के लिए वो काफी परेशान था। उसके बाद युवक ने अपने अपहरण की प्लानिंग की। 3 मार्च (सोमवार) की सुबह 8 बजे अपने घर से निकला था। 2 घंटे के बाद पिता को व्हाट्सएप कॉलिंग कर फिरौती की मौत की। 3 मार्च को ही पिता ने बेटे के अपहरण की एफआईआर देव थाना में दर्ज कराया। वैज्ञानिक अनुसंधान के आधार पर पुलिस ने 4 मार्च को अपहृत कृष्णा को रफीगंज इलाके से बरामद कर लिया। युवक कृष्णा ने अपनी झूठी अपहरण की कहानी पुलिस को बताई। जिसके बाद पुलिस ने उसे जेल भेज दिया। दोस्त के पास जाने की बात कहकर घर से निकला था युवक की पहचान देव थाना क्षेत्र के कुरका गांव निवासी अजीत मिश्रा के बेटे कृष्णा मिश्रा (25) के रूप में की गई है। देव थानाध्यक्ष सौरव कुमार ने बताया कि कृष्णा घर से 15 किमी दूर अंबा जाने के लिए निकला था। अंबा से पहले जीवा बिगहा के पास से उसका अपहरण हुआ था, हालांकि ये एक प्लानिंग थी। कृष्णा ने अपने पिता अजीत को बताया था कि वो अपने किसी दोस्त से मिलने जा रहा है। फिरौती के लिए पिता व्हाट्सअप कॉल आया था। जिसके बाद एसपी अंबरीश राहुल के निर्देश पर एसआईटी का गठन किया गया। बताया गया कि कृष्णा ने अपने पढ़ाई पूरी कर ली है। उसने स्नातक तक किया है। उसके बाद वो ऑनलाइन गेमिंग के चक्कर में पड़ गया।

अवैध हथियार के साथ 2 गिरफ्तार

भोजपुर। पुलिस ने अवैध हथियार के साथ 2 युवकों को गिरफ्तार किया है। सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने कार्रवाई की है। गिरफ्तार युवकों में शाहपुर नगर के वार्ड-10 निवासी रितेश कुमार और प्रकाश कुमार शामिल है। इनके पास से 2 पिस्टल, 4 कारतूस और 2 मोबाइल बरामद किया गया है। आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

पुलिस पूर्व के आपराधिक इतिहास को खंगाल रही है।बताया जा रहा कि आरोपितों का पिस्टल के साथ सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आया था। जिसके बाद इसकी शिकायत पुलिस अफसरों से की गई थी। टीम गठित कर वार्ड संख्या-10 मोहल्ला में छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान पुलिस रितेश कुमार और प्रकाश कुमार को पकड़ा गया। थानाध्यक्ष रजनीकांत ने बताया कि बरामद अवैध हथियारों के बारे में भी पता लगाया जा रहा है। एसडीपीओ राजीव चंद्र सिंह ने बताया कि शाहपुर थानाध्यक्ष कुमार रजनीकांत ने फोटो का सत्यापन किया। सत्यापन के बाद पुलिस को पता चला कि दोनों व्यक्ति शाहपुर नगर के रहने वाले हैं। इसके बाद वरीय पदाधिकारी को इसकी जानकारी दी गई। थानाध्यक्ष के नेतृत्व में टीम गठित कर दोनों के घर पहुंचे। तभी पुलिस को देख दोनों भागने लगे, लेकिन पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। इसके बाद पुलिस ने जब उनकी तलाशी ली तो उनके पास से 2 देसी पिस्टल, 2 मैगजीन, 4 कारतूस और 3 मोबाइल बरामद किया। गिरफ्तार दोनों अपराधियों के खिलाफ शाहपुर थाना में पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

व्यक्ति को अपराधियों ने मारी गोली

भोजपुर। में मंगलवार को अपराधियों ने एक राहगीर को गोली मार दी। घायल की पहचान पटना के रानीतलाब थाना के निसरपुरा गांव निवासी एतवार पासवान के बेटे केशो पासवान (55) के रूप में की गई है। बुलेट दाएं जांघ के लगी है। उन्हें इलाज के लिए रेफरल अस्पताल ले जाया गया।

वहां से सदर अस्पताल आरा रेफर कर दिया गया। बताया जा रहा कि अपराधी एक बाइक पर 3 की संख्या में थे। एफएसएल की टीम ने भी घटनास्थल पर जांच की। इधर, थानाध्यक्ष संतोष कुमार ने बताया कि मामला शुरूआती जांच में संदिग्ध लग रहा है। हर एंगल पर जांच चल रही है। केशो पासवान अपने गांव से अखगांव बाजार पर सब्जी की खरीदने गए थे।घटना संदेश थाना क्षेत्र के अखगांव-सारीपुर तटबंध मार्ग की है।अखगांव सोन नदी के बांध के रास्ते वापस जा रहे थे। करीब 200 मीटर पूरब सारीपुर गांव से पश्चिम एक बाइक पर बाइक सवार 3 बदमाशों ने गोली मारकर जख्मी कर दिया। इसके बाद बाइक सवार अपराधी पश्चिम की तरफ भाग निकले।

डीटीओ के चालक के खिलाफ केस दर्ज

दरभंगा। में 2 मार्च को सिमरी थाना क्षेत्र के शोभन के पास दरभंगा-मुजफ्फरपुर फोरलेन पर डीटीओ की गाड़ी से युवक की मौत हुई थी। मामले में चालक की मुश्किलें बढ़ गई है। सिमरी पासी टोला निवासी हीरा महतो ने दरभंगा के जिला परिवहन पदाधिकारी के चालक के खिलाफ यातायात थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। कहा है कि 2 मार्च को मेरा पेटा लालबाबू महतो अपने दोस्त मुजफ्फरपुर जिले के बेनीबाद थाना सुवास निवासी रौशन झा के साथ बाइक से सिमरी बाजार जा रहा था। इस बीच शोभन पुल के पास डीटीओ गाड़ी के चालक ने बेटे की बाइक में ठोकर मार दी थी। हादसे में बेटे की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, रौशन जख्मी हो गया था। आरोपी चालक गाड़ी लेकर हो गया था

फरार घटना के बाद डीटीओ का चालक गाड़ी लेकर भाग गया था। रौशन का इलाज अतिरिक्त स्वास्थ्य केन्द्र हरिहरपुर में चल रहा है। सिमरी थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया कि यातायात थाना में प्राथमिकी दर्ज हुई है। उधर, पीड़ित परिवार के घर पर संवेदना व्यक्त करने वालों का तांता लगा रहा।मुखिया दिनेश महतो गहरी संवेदना व्यक्त कर कबीर अंत्येष्टि के 3 हजार रुपए आश्रित को मुहैया कराया। मौके पर सरपंच अशोक पासवान मौजूद थे।

हल्दी, चुकंदर और पालक से बन रहा गुलाल

समस्तीपुर। होली यानी रंगों का त्यौहार। गुलाल और रंग के बगैर होली फीकी होती है, लेकिन बाजार में उपलब्ध केमिकल वाले गुलाल और रंग चेहरे को नुकसान पहुंचा रहे। डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के अपशिष्ट प्रबंधन विभाग की तरफ से हल्दी, चुकंदर और हरी साग सब्जियों से हर्बल गुलाल तैयार किए जा रहे हैं। इसके साथ ही इस क्षेत्र में रोजगार तलाशने वाले खासकर ग्रामीण परिवेश की महिलाओं को गुलाल बनाने का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। ताकि महिलाएं घर पर रहते हुए हर्बल युक्त गुलाल का निर्माण कर रोजगार कर सकें। कम खर्चे में और बिना चेहरा को नुकसान पहुंचाने वाला गुलाल बन जाता है। इस गुलाल की डिमांड अब बाजारों में भी होने लगी है। विश्वविद्यालय की ओर से खादी ग्राम उद्योग के माध्यम से इसका कारोबार भी देश

के विभिन्न क्षेत्रों में किया जा रहा है। डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय की वैज्ञानिक डॉक्टर संगीता देव ने कहा कि हल्दी, चुकंदर और पालक से घर में भी छोटे पैमाने पर गुलाल का निर्माण किया जा सकता है। बड़ा कारोबार करने के लिए बड़ी-बड़ी मशीनों की जरूरत होती है। हल्दी से गुलाल बनाने की विधि के बारे में बताया कि इसके लिए कच्चा हल्दी लिया जाता है। कच्चा हल्दी को साफ कर इसके ऊपर छिलके को हटाया जाता है। छिल्का हटाने के बाद जूसर मशीन के जरिए हल्दी का जूस बाहर निकाला जाता है। जूस को अरारोट में मिलाया जाता है। एक किलो अरारोट के साथ एक किलो हल्दी का जूस भी होना चाहिए। जिसे मशीन या हाथ से मिला सकते हैं। इसके बाद तैयार हुए लेप को 20 से 24 घंटा तक सुखाया जाता है। हल्दी के सुगंध को कम करने के लिए इसमें विभिन्न तरह का फ्लेवर जैसे लेमनग्रास, तुलसी डाल दिया जाता है। लेप को मिक्सी के जरिए पाउडर नुमा बनाकर वजन के हिसाब से पॉली पैक में भर दिया जाता है। अब यह गुलाल बिकने के लिए तैयार है। यह गुलाल पूरी तरह से सुरक्षित है। इसके उपयोग से चेहरे को कोई नुकसान नहीं है। कम खर्चे में अच्छा मुनाफा देने वाला यह साबित होता है।वैज्ञानिक डॉक्टर वीणा शाही बताती है कि इसी तरह गुलाबी गुलाल बनाने के लिए चुकंदर का प्रयोग किया जाता है। हरा गुलाल बनाने के लिए पालक के पत्ते का उपयोग किया जाता है। बाजार की डिमांड के अनुसार अभी विश्वविद्यालय में पीला, हरा और गुलाबी गुलाल का निर्माण किया जा रहा है। इन तीनों के निर्माण से संबंधित ट्रेनिंग भी ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को दी जा रही है ताकि वह आने वाले होली के मौके पर गुलाल का निर्माण कर कारोबार कर सके।

कोचिंग सेंटर के बाहर छात्र की हत्या

बेतिया। में आरडी कोचिंग सेंटर के बाहर एक छात्र की चाकू से हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान पूर्वी करगहिया गांव निवासी दिव्यांशु कुमार (17) के रूप में हुई है। वह इंटरमीडिएट का छात्र था। घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पूर्वी करगहिया स्थित आरडी लाइब्रेरी के पास की है। मृतक के भाई प्रियांशु ने कहा कि दिव्यांशु मंगलवार की देर शाम घर जा रहा था। इस बीच कुछ युवकों ने उसे घेर लिया। दिव्यांशु ने फोन करके भाई से मदद मांगी। जब तक प्रियांशु मौके पर पहुंचा तब तक युवक की पिटाई जारी थी। इस दौरान एक आरोपी ने दिव्यांशु की पीठ में चाकू घोंप दिया। चाकू सीने को पार होने से

उसकी मौत हो गई।सदर एसडीपीओ विवेक दीप ने कहा कि कोचिंग के मौजूदा छात्रों और एक पूर्व छात्र के बीच झड़प हुई थी। घटना के बाद पूर्वी करगहिया के कुछ युवकों ने पेट्रोल छिड़ककर आरडी कोचिंग में आग लगा दिया। मामले में 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। एसपी डॉ शौर्य सुमन ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया है। मौके पर अग्निशमन की गाड़ी, फोरेंसिक की टीम और डॉग स्क्वॉड को बुलाया गया। मृतक के शव का पोस्टमॉर्टम जीएमसीएच में कराया जा रहा है। मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

सदर एसडीपीओ विवेक दीप ने आगे कहा कि आरोपियों ने दिव्यांशु को चाकू मार घायल कर दिया था। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

चाकूबाजी की घटना के बाद पूर्वी करगहिया के ही कुछ युवकों ने पेट्रोल छिड़क कर आर डी कोचिंग में आग लगा दिया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंच गई थी।

भोजपुर में पेड़ से लटकी मिली युवक की लाश

भोजपुर। जिले के उदवंतनगर थाना क्षेत्र के मलथर गांव के पूरब साइड गेहूं के खेत के पास पेड़ से लटकी एक लाश मिली। मृतक की उम्र करीब 28 साल होगी। गले में गमछा बंधा और काले रंग का निशान पाया गया। पुलिस ने आत्महत्या की आशंका जताई है। मैरून रंग की शर्ट, ग्रीन जैकेट और सिल्वर ट्रॉउजर पहने हुए था। पहचान अभी नहीं हो सकी है। स्थानीय ग्रामीणों ने सूचना उदवंतनगर थाना को दी। उदवंतनगर थानाध्यक्ष राम कल्याण यादव पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। एफएसएल की टीम को बुलाया गया। टीम ने साक्ष्य को संकलन किया और लाश

को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस की रिपोर्ट में गमछे से फंदा लगाने के कारण दम घुसने से मौत है। हालांकि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण का पता चलेगा। चौकीदार माधव सिंह ने बताया कि खेत की ओर घास गढ़ने जा रही महिलाओं को नजर युवक की लाश पर पड़ी। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। युवक कौन है, कहां रहता है

31 मार्च तक राशन कार्डधारी को आधार सीडिंग करना अनिवार्य

दरभंगा। में राशन कार्डधारियों के लिए आधार सीडिंग की अंतिम तिथि 31 मार्च 2025 तय की गई है। डीएम राजीव रौशन ने जिले के सभी राशन कार्डधारियों से निर्धारित समय-सीमा के भीतर आधार सीडिंग कराने की अपील की है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के तहत भारत सरकार ने राशन कार्ड में अंकित सभी सदस्यों की आधार सीडिंग अनिवार्य की है। पहले इसकी अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2024 थी, जिसे अब बढ़ाकर 31 मार्च 2025 कर दिया गया है। आधार सीडिंग कराने के लिए नजदीकी राशन दुकानों पर जाकर ी-POS मशीन से निःशुल्क ी-ड उ कराया जा सकता है। लाभ लेने के लिए कराना होगा सिडिंग Mera e-KYC ऐप और Aadhar FaceRD ऐप के जरिए मोबाइल से घर बैठे Facial e-KYC करा सकते हैं। यदि 31 मार्च 2025 तक किसी सदस्य का आधार सीडिंग नहीं होता, तो उसका नाम 01 अप्रैल 2025 से राशन कार्ड से विलोपित कर दिया जाएगा। ऐसे सदस्य सरकारी राशन (खाद्यान्न) के लाभ से वंचित हो जाएंगे। डीएम ने कहा कि सभी राशन कार्डधारी जल्द से जल्द आधार सीडिंग कराएं, ताकि उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी बाधा के मिलता रहे। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के तहत उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग, भारत सरकार के निर्देश से17 सितम्बर 2024 से राशन कार्ड में अंकित प्रत्येक सदस्य के लिए 31 दिसंबर 2024 तक आधार संख्या की सीडिंग कराना अनिवार्य था।

पर एकबार फिर भारत सरकार के निदेर्शानुसार राशन कार्ड में अंकित प्रत्येक सदस्य के लिए 31 मार्च 2025 तक आधार संख्या की अनिवार्य सीडिंग के लिए तिथी तय की गई है।

सदन में तेजस्वी यादव पर भड़के CM नीतीश कुमार, कहा- तुम्हारे पिता को मैंने ही बनाया

पटना। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और सीएम नीतीश कुमार के बीच तीखी बहस हुई। तेजस्वी ने सीएम नीतीश से 20 सालों का हिसाब मांगा। वहीं सीएम नीतीश उन्हें बच्चा कहते हुए पूछा कि 2005 से पहले क्या स्थिति थी। सीएम नीतीश बोल ही रहे थे कि विपक्ष ने वॉकआउट कर दिया। आइए जानते हैं बजट सत्र के तीसरे दिन सदन में क्या क्या हुआ?सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि पंचायती राज और नगर निकाय में 50 प्रतिशत महिलाओं को आरक्षण दिया। 2013 में महिला पुलिस को 35 प्रतिशत आरक्षण दिया। बिहार में महिला पुलिस की कितनी संख्या है पूरे देश में किसी राज्य में इतनी संख्या नहीं है। स्वयं सहायता समूह का गठन किया जिसका नाम जीविका रखा। स्वयं सहायता समूह का गठन किया जिसका नाम जीविका रखा। दस लाख नौकरी में 935000 नौकरी दी जा चुकी है। अब इसे 12 लाख कर दिया गया है। 38 लाख रोजगार करने का लक्ष्य रखा है। दोनों मिलकर 50 लाख कर दिया गया है। प्रगति यात्रा के दौरान जहां जो कमी है उसको पूरा करने की घोषणा की। उसने कैबिनेट से भी पास किया गया। सरकार सभी जातियों धर्म के कार्यों के पूरा करने के लिए कृत संकल्पत है। प्रधानमंत्री को उन्होंने धन्यवाद कहा। सरकार की कामना है कि समाज में सद्भाव और बिहार विकास के पद पर अग्रसर रहे। विपक्ष के लोग भाग गए हैं इन्हें भी हम इसको धन्यवाद देते हैं। यह लोग अंड-बंड बोलता रहा है। इसके बाद सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। जल नल के बारे में जब मुख्यमंत्री कहने लगे तो विपक्ष ने कहा कि नल का टोंटी टूट गया है। तेज प्रताप यादव ने इशारा किया सब विरोध करो तब पूरा विपक्ष खड़ा हो गया। और, विरोध करने लगा। विपक्षी मुख्यमंत्री गद्दी छोड़ों का नारा लगाने लगे। इसके बाद विपक्ष ने वॉकआउट कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह लोग तो भाग गया क्यों कि इन लोगों को समझ में कुछ आ रहा है?सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि पहले स्वास्थ्य व्यवस्था की कैसी

हालत थी? पहले स्वास्थ केंद्र में एक दिन में एक या दो मरीज आते थे। अस्पताल में दवाई की व्यवस्था करवाई। अब देखिए अस्पतालों में औसतन 11 हजार लोग आए। पहले छह मेडिकल कॉलेज था। हमने आया तो नए नए मेडिकल कॉलेज बनवाएं। इस पर तेजस्वी यादव ने सवाल उठाया तो सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि तुम्हारे पिता को भी हमने ही मुख्यमंत्री बनाया था। उन्होंने क्या काम किया यह सब जानते हैं। चार साल के बाद 1994 हम अलग हो गए।विधानसभा में सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि जब हम लोग आए थे उसे समय स्थिति क्या थी? शाम में कोई घर से बाहर नहीं निकलता था। कुछ पता है? इंप्रेस वाले सब पूछ लो। मुख्यमंत्री के बोलने पर विपक्ष ने हल्ला किया? समाज में कितना विवाद होता था। हिंदू मुस्लिम का झगड़ा कितना होता था। मुसलमान को कुछ होता था उसको बचाने का कोई उपाय करते थे? पढ़ाई का क्या हाल था? अध्यक्ष ने विपक्ष को कहा कि आपका नेता ने एक लकीर खींची है आप उसको क्यों छोटा करना चाहते हैं। सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि कब्रिस्तान की घेराबंदी करवाई गई। पहले क्या स्थिति थी कोई घर से नहीं निकलता था। अब देखिए 10 बजे, 11 बजे रात में सब घूमता है। हमलोगों ने शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में काफी काम किया। दो लाख 74 हजार शिक्षकों की बहाली की। नियोजित शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा दिया। तेजस्वी यादव ने परिवारवाद के मुद्दे पर एनडीए विधायाकों को घेरा। कहा कि चारा घोटाला की बात करते वालों ने पूर्व सीएम जगन्नाथ मिश्रा के बेटे को मंत्री बना दिया। मंत्री सम्राट चौधरी, संतोष सुमन, नितिन नवीन, अशोक चौधरी समेत कई नेता परिवारवाद का उदाहरण हैं। इन पर क्यों नहीं बोलते। इस पर मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष यह क्यों नहीं बोल रहे हैं कि पूर्व सीएम जगन्नाथ मिश्रा को अदालत ने बरी कर दिया था। अंत में तेजस्वी यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री ने मेरे पत्र का जवाब नहीं दिया इस बात का मुझे दुःख है। नया बिहार बनाने के लिए हमें आप सब का आशीर्वाद चाहिए। इसके बाद विजय सिन्हा ने कहा कि आपके बिहार को गाली देने में आपके पिताजी का काफी योगदान है।बजट पर बोलते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि बजट में महिलाओं को 2500 रुपया नहीं दिया गया। न वृद्धा पेंशन में बढ़ोतरी की गई। न बिजली के दर कम किए गए। तेजस्वी यादव ने केंद्र सरकार पर भी हमला बोला। कहा कि केंद्र ने चंद्रबाबू नायडू के लिए पिटारा खोल दिया। 16 एमपी उनके पास हैं। केंद्र उन्हें सबकुछ दे रही है और हमारे मुख्यमंत्री उनके पैरों में गिर जाते हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि भाजपा आरक्षण चोर है। एनडीए सरकार ने बिहार को विशेष पैकेज नहीं दिया। वहां चंद्रबाबू नायडू की सरकार को एनडीए सरकार ने दो लाख करोड़ का पैकेज दिया। बजट पर बोलते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि बजट में महिलाओं को 2500 रुपया नहीं दिया गया। न वृद्धा पेंशन में बढ़ोतरी की गई। न बिजली के दर कम किए गए। तेजस्वी यादव ने केंद्र सरकार पर भी हमला बोला। कहा कि केंद्र ने चंद्रबाबू नायडू के लिए पिटारा खोल दिया। 16 एमपी उनके पास हैं। केंद्र उन्हें सबकुछ दे रही है और हमारे मुख्यमंत्री उनके पैरों में गिर जाते हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि भाजपा आरक्षण चोर है। एनडीए सरकार ने बिहार को विशेष पैकेज नहीं दिया। वहां चंद्रबाबू नायडू की सरकार को एनडीए

संक्षिप्त समाचार

नीलगाय की टक्कर से सहायक प्रोफेसर की मौत

पलवल। पलवल जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे में स्वामीका कॉलेज के सहायक प्रोफेसर की मौत होने का मामला सामने आया है। जनाचौली गांव के पास सड़क पर अचानक नीलगाय आ जाने से बाइक सवार प्रोफेसर नरेश कुमार हादसे का शिकार हो गए। मामले की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। मिली जानकारी के अनुसार नरेश कुमार मूल रूप से कैथल के रहने वाले थे और वर्तमान में सोहना में अपने परिवार के साथ रहते थे। वे 2019 से स्वामीका गांव स्थित सरकारी कॉलेज में सोशियोलॉजी के सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यरत थे। हादसे के समय वे रोजाना की तरह सोहना से कॉलेज जा रहे थे। जनाचौली गांव के पास अचानक सड़क पर नीलगाय आ गई। बाइक की नीलगाय से टक्कर हो गई। टक्कर के बाद नरेश सड़क पर गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने तुरंत उन्हें जिला नागरिक अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने नरेश कुमार को मृत घोषित कर दिया। जांच अधिकारी ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

पचास प्रतिशत तक फसल खराबे पर नहीं खुला पोर्टल,डीसी से मिले किसान

पलवल। पलवल जिले में ओलावृष्टि, भारी बरसात और तूफान से किसानों की फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। जिले के कई गांवों में 25 से 50 प्रतिशत तक का नुकसान हुआ है। इससे पहले मार्च 2024 और दिसंबर 2023 में भी किसानों को इसी तरह का नुकसान झेलना पड़ा था। कई किसानों को अभी तक मुआवजा नहीं मिला है। बामणीखेड़ा गांव के किसान संतराम शर्मा को भी मुआवजे का इंतजार है। किसान नेता मास्टर महेंद्र सिंह चौहान ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि सरकार ने प्रभावित किसानों को क्षतिपूर्ति पोर्टल पर नुकसान दर्ज करने को कहा है। जिला प्रशासन की ओर से जारी 115 गांवों की सूची का पोर्टल ही नहीं खुल रहा है, जिस कारण पंजीकरण नहीं कर पा रहे। आज संयुक्त किसान मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने डीसी डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में मास्टर महेंद्र सिंह चौहान, धर्मचंद घुघेरा और डॉक्टर रघुवीर सिंह शामिल रहे। इस दौरान डीसी ने फसल नुकसान की गिरदावरी कराकर भरपाई का आश्वासन दिया है। किसान नेताओं ने बताया कि प्रशासन से खराबे की जो सूची जारी हुई है, उससे बाहर भी कई गांवों में नुकसान हुआ है। इनमें अटोहा, छज्जूनगर और टीकरी, ब्राह्मण सहित दर्जनों गांव शामिल है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि पटवारियों और तहसीलदार को प्रभावित गांवों में भेजकर नुकसान का मौका मुआयना कराया जाए।

गुरुग्राम पुलिस ने चार चोरों को किया काबू, सीएनजी ऑटो व नकदी बरामद

गुरुग्राम। पुलिस ने चोरी करने के चार आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपियों के कब्जे से एक सीएनजी ऑटो व नकदी बरामद की गई है। पुलिस प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि आरोपियों से उनके द्वारा की गई वारदातों के बारे में पूछताछ की जा रही है।पुलिस द्वारा चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले आरोपियों पर नकेल कसते हुए चार आरोपियों को काबू किया गया। आरोपियों की पहचान इकलास निवासी देवीलाल कॉलोनी गुरुग्राम, वाजिद निवासी गांव टई जिला नूंह वर्तमान निवासी विकास नगर गुरुग्राम, करीम निवासी अलापुर जाट जिला अलवर व विजय निवासी शेखपुरा जाट जिला अलवर राजस्थान के रूप में हुई। इन्हें चोरी की अलग-अलग वारदातों में गिरफ्तार किया गया है। अपराध शाखा सेक्टर-17 की पुलिस टीम ने आरोपी इकलास व वाजिद को थाना सेक्टर-10 गुरुग्राम के क्षेत्र से मशीन ठीक करने की दुकान से सामान चोरी करने के मामले में बेरीवाला बाग के पास से काबू किया। अपराध शाखा फर्रुखनगर की पुलिस टीम ने आरोपी करीम व विजय को थाना बिलासपुर जिला गुरुग्राम के क्षेत्र से बिजली के ट्रांसफार्मर से तेल चोरी करने के मामले में पटौदी से काबू किया गया। आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड के अवलोकन से ज्ञात हुआ कि आरोपी इकलास, वाजिद, करीम व विजय पर चोरी करने के संबंध में पहले से ही एक केस गुरुग्राम में दर्ज है। पुलिस टीमों द्वारा आरोपियों के कब्जे से 18500 रुपए व एक सीएनजी ऑटो रिक्शा बरामद किया गया है।

सोहना में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लाइनमैनों को मिला सम्मान-किया गया सम्मानित

सोहना। दक्षिणी हरियाणा बिजली वितरण निगम ने राष्ट्रीय लाइनमैन दिवस पर यहां बिजलीनिगम के कार्यकारी अभियंता कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में लाइनमैनों को सम्मानित किया। अपर अभियंता सुमित गर्ग ने बताया कि निगम के उपमंडल अभियंता मुकेश गौड की अध्यक्षता में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में निगम के सोहना डिवीजन प्रभारी व कार्यकारी अभियंता गौरव दहिया ने बताया कि यह दिवस लाइनमैन के योगदान और सुरक्षा के प्रति उनकी जिम्मेदारी के प्रति जागरूक बनाने के लिए मनाया जाता है और डीएचवीपीएन के मैनेजिंग डायरेक्टर एश्रीनिवास के निर्देश अनुसार इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। उन्होने बताया कि मौजूद लाइनमैनों को सुरक्षा शपथ दिलाई गई। साथ ही फील्ड में एलटी-एचटी लाइनों, ट्रांसफार्मर आदि पर काम करते वक्त सुरक्षा बैल्ट और अन्य सुरक्षा उपकरण पहनकर काम करने की हिदायत दी गई।

छापेमारी की आड़ में व्यापारियों का उत्पीड़न ना करे अधिकारी : अग्रवाल समाज

सोहना। स्थानीय अग्रवाल समाज का कहना है कि भाजपा राज में अफसरशाही बेलगाम हो रही है। जिसका ताजा मामला सोहना से सामने आया है। उन्होने कहा कि केन्द्रीय आयकर विभाग की टीम ने सेंट्रल पार्क सोहना में रहने वाले एक व्यापारी के यहां पुलिसबल को साथ लेकर छापेमारी की। यहां तक तो ठीक है लेकिन छापामार टीम में शामिल अधिकारियों ने व्यापारी को मानसिक रूप से इतना प्रताड़ित किया कि व्यापारी बेहोश हो गया। जिसे जीवन बचाने के लिए एक बड़े अस्पताल में उपचार के लिए ले जाया गया, जो अभी भी अस्पताल में उपचाराधीन है। उन्होने कहा कि इस घटना से साफ जाहिर हो रहा है कि छापेमारी के नाम पर अधिकारी व्यापारी का उत्पीड़न कर मनमानी बरत रहे है। जिसे व्यापारी समाज किसी भी कीमत पर हर्गिज बर्दाश्त नही करेगा। उन्होने कहा कि छापामार टीम के व्यापारी का उत्पीड़न करने से क्षेत्र के अग्रवाल समाज के साथ-साथ राज्य भर के व्यापारी समाज में रोष फैल रहा है, जो कभी भी ज्वालामुखी की मानिंद फटकर सामने आ सकता है।

सोहना शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में नकल रोकने के लिए लगाए गए तीन डयूटी मजिस्ट्रेट

सोहना। सोहना शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में भिवानी बोर्ड द्वारा संचालित कक्षा दसवीं व 12वीं की परीक्षाओं में पूरी तरह नकल रोकने के लिए उपायुक्त अजय कुमार ने 3 अधिकारियों को डयूटी मजिस्ट्रेट लगाया है। डयूटी मजिस्ट्रेट लगाए गए अधिकारियों में सोहना जोन के एसडीएम, तहसीलदार व नायबतहसीलदार शामिल है। भाजपा नेता धर्मेन्द्र तंवर रामगढ़ ने बताया कि उपायुक्त अजय कुमार ने सोहना जोन के एसडीएम संजीव सिंगला, तहसीलदार गुरूदेव सिंह और नायबतहसीलदार सुरेश चंद कौशिक को परीक्षाओं में नकल रोकने के लिए डयूटी मजिस्ट्रेट लगाया है। हर डयूटी मजिस्ट्रेट को नकल रोकने के लिए 5 से 6 परीक्षा केन्द्र दिए गए है और साफ कहा गया है कि जिस भी परीक्षा केन्द्र पर गड़बड़ी मिले, उस परीक्षा केन्द्र पर तत्काल प्रभाव से परीक्षा रदद करने की संस्तुति कर उस विद्यालय में बने परीक्षा केन्द्र को रदद करने के लिए काली सूची में डाले जाने, ब्लैकलिस्ट करने के लिए तत्काल रिपोर्ट बनाकर भेजी जाए।

दो पिस्तौल, तीन कट्टे व एक कारतूस बरामद

फरीदाबाद में अवैध हथियार रखने पर पांच गिरफ्तार

फरीदाबाद।

अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ पुलिस ने धरपकड़ का अभियान चलाते हुए अलग-अलग स्थानों से पांच व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो पिस्तौल, तीन देसी कट्टे व एक कारतूस बरामद किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि अपराध शाखा एनआईटी की टीम ने कुमरसेन निवासी तिरखा कालोनी बल्लभगढ को लेजर वैली पार्क सुरजकुण्ड रोड फरीदाबाद से एक देसी कट्टा सहित व सलीम निवासी सेक्टर-3 बल्लभगढ फरीदाबाद को सेक्टर-46 की मार्किट से एक देसी कट्टा सहित,

अपराध शाखा एवीटीएस की टीम ने साकिर निवासी गांव धौज को गांव फतेहपुर तगां से एक देसी पिस्तौल व एक कारतूस, अपराध शाखा सेक्टर-56 टीम ने गंगा प्रसाद निवासी राहुल कॉलोनी सेक्टर-3 को राजा चौक बुध विहार पार्क एनआईटी-तीन से एक देसी कट्टा सहित व अपराध शाखा सेन्ट्रल की टीम ने प्रिंस निवासी मिर्जापुर मोड बल्लभगढ को तिगांव से एक देशी पिस्तौल सहित काबू किया है, आरोपियो के खिलाफ संबंधित थानों में मामला दर्ज किया गया है। उन्होने बताया कि पूछताछ में सामने आया कि कुमरसेन देसी कट्टा को मथुरा में किसी अंजान व्यक्ति से दो हजार रुपए में खरीद कर लाया था। आरोपी पर पूर्व में चोरी व अवैध हथियार के मामले दर्ज है। सलीम देसी कट्टे को सदर बजार दिल्ली में किसी अंजान व्यक्ति से 35 रुपए में खरीद कर लाया था। आरोपी पर पूर्व में चोरी व अवैध हथियार के मामले दर्ज है। साकिर देसी पिस्तौल व कारतूस को अलवर बस स्टेंड पर किसी अंजान व्यक्ति से 45 सौ रुपए में खरीद कर लाया था। आरोपी पर पूर्व में चोरी व अवैध हथियार के मामले दर्ज है। गंगा प्रसाद देसी कट्टा को रेलवे स्टेशन से किसी अंजान व्यक्ति से पांच हजार रुपए में खरीद कर लाया था। प्रिंस देसी पिस्तौल को किसी व्यक्ति से चार हजार रुपए में खरीद कर लाया था। आरोपी पर पूर्व में लूट, चोरी व अवैध हथियार के मामले दर्ज है। पांचों आरोपियों को पूछताछ के बाद बुधवार को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

टावर लगवाने के नाम पर ठगी करने वाले छह आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद।

मोबाइल टावर लगवाने के नाम पर ठगी करने वाले छह आरोपियों को साइबर थाना सेंट्रल पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि सेक्टर-83 फरीदाबाद निवासी एक व्यक्ति ने शिकायत दी कि उसको अपने एक प्लाट में मोबाइल टावर लगवाना था, जिसके लिए उसने बैंगलोर कर्नाटक में स्थित एबीजी टावर्स प्राइवेट लिमिटेड नाम से कंपनी की वेबसाइट को सर्च किया, जिस पर एक व्हाट्सएप नम्बर से सम्पर्क हुआ और टावर लगाने के बारे में बातचीत हुई। ठग ने बताया कि टावर लगने वाला क्षेत्र ग्रामीण है। जिसके लिए शिकायतकर्ता को 40 लाख रुपए टावर लगवाने के मिलेंगे तथा 25 हजार रुपए मासिक व केयर-टेकर के लिए 12 हजार रुपए प्रति माह का वेतन दिया जाएगा और 5-6 दिन के अंदर-अंदर दिए गए पते पर सर्वे भी किया जाएगा।

शिकायतकर्ता ने 25 जनवरी को गूगल पे के माध्यम से 2450 रुपए का प्रोसेसिंग फीस का भुगतान किया, इसके उपरांत शिकायतकर्ता को एग्रीमेंट की सॉफ्ट कॉपी भेजी गई तथा जिसमें 24 हजार रुपए का और भुगतान करने के लिए उल्लेख किया गया। जो यह राशि बाद में वापस आने बारे कहा गया। इसके बाद ठग ने 15 लाख रुपए की पेमेंट देने का आश्वासन दिया और कहा कि 15 लाख रुपए की बडी राशि है। जिसके लिए 2 प्रतिशत यानी 30 हजार रुपए भुगतान करने होंगे जिसमें से 27 हजार रुपए सरकार के द्वारा वापस दे दिए जाएगे। इसके बाद राशि का 3 प्रतिशत भुगतान की बात कही, जिस पर 45 हजार का भुगतान किया गया, इस प्रकार शिकायतकर्ता ने कुल एक लाख 405 रुपए की ठगों ने ले लिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई करते हुए शशी कुमार, उदय सिंह, निवासी गांव पिंजूपूरा कैथल, सन्दीप कुमार निवासी गांव बिसनपूरा जिला जीन्द, डेविड निवासी सलेमगड नियर खाद गोदाम जिला हिसार, गौरव कुमार निवासी मोहल्ला सराय बलबधर जिला रेवाडी व आकाश दीप निवासी मंदी कॉलोनी जिला हिसार को अपने गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना से दिल्ली से गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने पूछताछ के दौरान बताया कि उन्होंने अपने नंबर गूगल पर डाल रखे हैं, जिन पर लोग संपर्क करते हैं और फिर वे ठगी की वारदात को अंजाम देते हैं। जिसके लिए दिल्ली में उन्होंने फ्लैट किराए पर लिया हुआ था। वारदात में प्रयोग दो मोबाइल फोन, सिम कार्ड, दो लैपटॉप व अन्य 16 मोबाइल फोन बरामद किये गये। सभी आरोपियों को पूछताछ के बाद बुधवार को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

हिमानी नरवाल हत्याकांड: आरोपी सचिन ने घर पहुंचकर बताई वारदात की पूरी कहानी, मां फफक कर रो पड़ी

रोहतक। पुलिस की यह कार्रवाई भावनात्मक रूप से कठिन रही। घर में मौजूद हिमानी की मां सविता, जैसे ही आरोपी सचिन को देखती हैं, फफककर रो पड़ती हैं। उन्हें पड़ोस की महिलाओं ने संभाला और ढांढस बंधाया।हिमानी नरवाल हत्याकांड की जांच में तेजी लाते हुए पुलिस ने मंगलवार को क्राइम सीन रिक्रिएट किया। हत्यारोपी सचिन को पुलिस सुरक्षा में हिमानी के घर लाया गया, जहां उसने वारदात स्थल की पहचान कर घटनाक्रम को दोहराया। घर पहुंचते ही सचिन ने इशारों से बताया कि वारदात कैसे हुई। कमरे में जाकर उसने विस्तार से गुस्से में चार्जर की तार से हिमानी का गला घोंटने की पूरी घटना बयां की। इस दौरान एफएसएल प्रभारी डॉ. सरोज दहिया की टीम ने मौके पर मौजूद रहकर क्राइम सीन का विश्लेषण किया और साक्ष्य एकत्रित किए। पुलिस की यह कार्रवाई भावनात्मक रूप से कठिन रही। घर में मौजूद हिमानी की मां सविता, जैसे ही आरोपी सचिन को देखती हैं, फफककर रो पड़ती हैं।

उन्हें पड़ोस की महिलाओं ने संभाला और ढांढस बंधाया।क्राइम सीन रिक्रिएशन के बाद पुलिस आरोपी को दोबारा हिरासत में लेकर चली गई। अब इस हत्याकांड से जुड़े तथ्यों की गहराई से जांच की जा रही है और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

90 दिन तक चालान नहीं भरने वाले ऑटो को किया डिटेन

90 दिनों से अधिक बकाया चालानों को लेकर पुलिस ने चलाया अभियान

गुरुग्राम। यातायात नियमों को तोड़ने पर काटे गए चालानों का 90 दिन तक भुगतान नहीं करने वाले ऑटो चालकों को बुधवार को चेकिंग के दौरान डिटेन किया गया। कुछ ऑटो चालकों ने तो मौके पर ही बकाया चालान राशि का भुगतान कर दिया। कुछ ने पुलिस को विश्वास दिलाया कि वे जल्द ही चालानों का भुगतान कर देंगे।

गुरुग्राम शहर सीसीटीवी कैमरों से लैस है। ऐसे में कोई भी वाहन चालक अगर यातायात के नियम तोड़ता है तो वह पुलिस की नजर से बच नहीं सकता। सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से ही उनके ऑनलाइन चालान काट दिए जाते हैं। पुलिस द्वारा विभिन्न स्थानों पर चेकिंग के दौरान भी चालान काटे जाते हैं। बहुत से वाहन चालक इन चालानों का भुगतान करने की बजाय बेखौफ होकर वाहन चलाते फिरते

हैं। पुलिस की ओर से चालान भुगतान के लिए 90 दिन का समय दिया जाता है। पुलिस ने बुधवार को विभिन्न स्थानों पर चेकिंग के दौरान ऐसे वाहनों को डिटेन किया, जिनके चालान कटे हुए हैं मगर वे भुगतान नहीं कर रहे। पुलिस आयुक्त यातायात मुख्यालय/हाइवे सत्यपाल यादव की देखरेख में यह कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस गुरुग्राम ने ट्रैफिक नियमों की उलंघना करने वाले वाहन चालकों को चेकिंग के दौरान 90 दिनों से अधिक लंबित चालानों के भुगतान न किया जाना पाया जाने पर डिटेन किया। इस दौरान वाहन चालकों को बताया गया कि जो भी उनके बकाया चालान हैं, जिनकी अवधि 90 दिनों से अधिक हो चुकी है। उनका भुगतान तुरंत करें। अगर ऐसा नहीं करते हैं तो उनके वाहनों को भविष्य में इंपाउंड भी किया जा सकता है। इस अभियान के दौरान कुछ वाहन चालकों ने अपने लंबित चालानों का भुगतान मौके पर ही कर दिया। अन्य चालानों का भुगतान जल्दी से जल्दी को भरने करने बारे विश्वास दिलाया। यातायात पुलिस गुरुग्राम द्वारा आप सभी लोगों को पहले ही सूचित किया जा चुका है कि 10 फरवरी 2025 से पहले जिस वाहनो के चालान लंबित हैं, वे इन लंबित चालानों का भुगतान 90 दिनों के अंदर-अंदर करें। ऐसे वाहनों को चैकिंग के दौरान चालान का भुगतान न किया पाए जाने पर डिटेन किया जाएगा। इस प्रकार के चालान अभियान यातायात पुलिस गुरुग्राम द्वारा निरंतर जारी रहेंगे।

द्वारका एक्सप्रेस-वे पर दुर्घटना में एचडीएफसी बैंक के मैनेजर की मौत

द्वारका एक्सप्रेस-वे पर कार-ट्राले के बीच टक्कर

गुरुग्राम।

द्वारका एक्सप्रेस-वे पर ट्राला व कार के बीच हुई टक्कर में कार सवार एचडीएफसी बैंक के मैनेजर की मौत हो गई। वह चरखी दादरी की शाखा में मैनेजर था। गुरुग्राम में बैंक के ही काम से आया था। घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। घटना होते हुए ट्राला चालक मौके से ट्राला लेकर फरार हो गया। बुधवार को जांच अधिकारी कर्मबीर ने बताया कि आरोपी ट्राला चालक की तलाश की जा रही है।

जानकारी के अनुसार मंगलवार को

चरखी दादरी स्थित एचडीएफसी बैंक की शाखा में मैनेजर सुनील कुमार गुरुग्राम में बैंक के काम से आया था। रात करीब साढ़े 11 बजे वह द्वारका एक्सप्रेस-वे पर अपनी गाड़ी से जा रहा था। इसी बीच एक कट से ट्राला निकला। जब तक सुनील कुमार गाड़ी पर नियंत्रण कर पाता, गाड़ी ट्राले से टकरा गई और बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। सुनील कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंची। सुनील कुमार के मोबाइल से ही उसके भाई सोमबीर को कॉल की गई।

पुलिस को दी शिकायत में मृतक बैंक मैनेजर सुनील कुमार के भाई सोमबीर ने बताया कि रात साढ़े 11 बजे उसके भाई सुनील कुमार के फोन से उसके पास कॉल आई थी। कॉल करने वाले ने बताया कि उसके भाई का एक्सीडेंट हो गया है। आनन-फानन में वे गुरुग्राम पहुंचे।

तब तक सुनील को अस्पताल में ले जाया जा चुका था। वे आर्वी अस्पताल पहुंचे और सुनील के बारे में जानकारी ली। गंभीर चोटों के कारण उसके भाई की मौत हो चुकी थी। परिजनों ने पुलिस को जानकारी दी कि एक्सप्रेस-वे पर अवैध रूप से रैंप बनाया गया है। वहां पर निर्माणाधीन क्रिसूमी सोसायटी व मैक्स रियल एस्टेट के ट्राले आते-जाते हैं।

जब सुनील वहां से गुजर रहा था तो एक ट्राला वहां से निकल रहा था। इसी दौरान एक्सीडेंट हो गया।

सड़क दुर्घटना होते हुए ट्राला चालक ट्राला लेकर फरार हो गया। आरोप है कि उसके दूसरे साथियों ने मौके पर रैंप को तुरंत हटा दिया और खून व टायरों के निशान मिटा दिए, ताकि हादसे के कोई सुबूत ना मिल पाए। इस हादसे की जांच कर रहे जांच अधिकारी कर्मबीर के मुताबिक पुलिस सूचना मिलने के बाद तुरंत ही मौके पर पहुंची थी। ट्राला चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। उसकी तलाश की जा रही है।

फर्जी क्रेडिट कार्ड से हजारों की ठगी, दो गिरफ्तार

पलवल। पलवल में साइबर क्राइम पुलिस ने दो साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने फर्जी क्रेडिट कार्ड और इनाम जीतने का झांसा देकर लोगों से ठगी की। मामले की सूचना पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और वारदात में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। जानकारी के अनुसार पहला मामला गांव दीघोट के किशन सिंह का है। दो मार्च को उन्हें इंस्टाग्राम पर एक कमेंट करने के बाद वॉट्सएप मैसेज मिला। मैसेज में बताया गया कि उन्होंने आईफोन 14 प्रो मैक्स, एक गोल्डन घड़ी और एक बैग जीता है। ठगों ने इनाम की डिलीवरी के नाम पर अलग-अलग बहाने बनाकर पैसे मांगे। पहले 450 रुपए बिल चार्ज के लिए, फिर 1950 रुपए जीएसटी के नाम पर वसूले। इसके बाद पांच हजार रुपये फाइल चार्ज और 16 हजार रुपए सिक्योरिटी के तौर पर ले लिए। किशन सिंह जब इनाम लेने आगरा चौक पहुंचे, तो ठग ने खुद को फरीदाबाद में होने की बात कही। शक होने पर उन्होंने अपने दोस्तों से सलाह ली। दोस्तों ने इसे साइबर ठगी बताया। पीड़ित ने 1930 हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई। साइबर क्राइम थाना प्रभारी नवीन कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने जांच शुरू की। तकनीकी विश्लेषण के बाद जिला नूंह के नीमका गांव से एक आरोपी मौसम को गिरफ्तार किया। उसके पास से दो मोबाइल बरामद हुए हैं। पुलिस दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लेगी। इस दौरान उनके अन्य साथियों का पता लगाया जाएगा। वहीं दूसरे मामले में हथीन के अकबरपुर नाटोल के रहने वाले रोशनलाल ने बुधवार को बताया कि वह खेती बाड़ी का कार्य करता है। उसका खाता पंजाब नेशनल बैंक में है। उसके पास मोबाइल पर संदेश आया था कि उसके खाते से 8931 रुपए निकल गए हैं। यह रुपए क्रेडिट कार्ड से निकाले गए हैं, जबकि उसने कभी क्रेडिट कार्ड ही नहीं बनवाया था।

कांग्रेस डूबता हुआ जहाज-कूद-कूदकर भाग रहे सवार : विधायक तेजपाल तंवर

सोहना। सोहना हलका से भाजपा विधायक चौधरी तेजपाल सिंह तंवर ने क्षेत्र के प्रमुख समाजसेवी और कांग्रेस नेता रहे सचिन राव धुनेला के अपने साथियों समेत भाजपा में शामिल होने का स्वागत किया है और कहा है कि सचिन राव का सोहना विधानसभा क्षेत्र के साथ-साथ आसपास लगते कई क्षेत्रों में खासा प्रभाव है। उन्होने बताया कि सचिन राव ने प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की मौजूदगी में भाजपा की नीतियों में आस्था जताते हुए भाजपा में शामिल होने का ऐलान किया। खुशी की बात यह है कि सचिन राव के अपने साथियों समेत भाजपा में आने से सोहना विधानसभा क्षेत्र में भाजपा को और ज्यादा मजबूती मिलेगी। सर्व हरियाणा ग्रामीण बैंक के डायरेक्टर तथा नाहरपुर ग्रामपंचायत के सरपंच रहे भाजपा नेता चौधरी धर्मबीर डागर अलीपुरिया, भाजपा सोहना मंडल के अध्यक्ष सौरभ सिंगला, भाजपा भौंड़सी मंडल के अध्यक्ष देवेन्द्र प्रधान, भाजपा दमदमा मंडल के अध्यक्ष मनोज खटाना सहजावास, जिलापरिषद सदस्या पुष्पा खटाना, भाजपा नेता जगदीश अंबावता बैरमपुर, नगरपालिका के पूर्व चेयरमैन राजेन्द्र सिंह बागड़ी, श्री शिवकुंड प्रबंधन समिति अध्यक्ष अनुराग राणा, भाजपा के मंडल अध्यक्ष रहे गौरव चुघ, पूर्व नगरपार्षद व भाजपा के मंडल उपाध्यक्ष रहे मुकेश सैनी आदि ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में देश और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अगुवाई में प्रदेश विकास के नए आयाम छू रहा है। नई-नई जनकल्याणकारी योजनाएं बनाकर लागू किए जाने से देश व प्रदेश में भाजपा का जनाधार तेजी से बढ़ रहा है। इस मौके पर बोलते हुए क्षेत्र के प्रमुख समाजसेवी सचिन राव धुनेला ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जुबान का धनी बताते हुए कहा कि अपने प्रधानमंत्री कार्यकाल में नरेन्द्र मोदी का बेदाग रहना बहुत बड़ी उपलब्धि है। जिसे विपक्ष पचा नही पा रहा है। वही विधायक तेजपाल सिंह तंवर समेत उपरोक्त भाजपा नेताओं ने भरोसा जताया कि सचिन राव व उनके साथी अब भाजपा के लिए जी जान लगाकर काम करेंगे। भाजपा विधायक चौधरी तेजपाल सिंह तंवर ने कहा कि सचिन राव चाहे पहले किसी भी पार्टी में रहे लेकिन उनकी व भाजपा की सोच एक जैसी रही है। उपरोक्तजनों ने भी राष्ट्रहित को सदैव पार्टी हित से ऊपर रखा और भाजपा की नीति भी पहले राष्ट्र बाद में पार्टी वाली है।

सोहना में बोर्ड की नकलरहित परीक्षा कराने के लिए सक्रिय रहे डयूटी मजिस्ट्रेट : नायब तहसीलदार सुरेश चंद कौशिक

सोहना। यहां पर स्थानीय तहसील कार्यालय में कार्यरत नायब तहसीलदार और और भिवानी बोर्ड द्वारा संचालित कक्षा दसवीं व 12वीं की परीक्षाओं में पूरी तरह नकल रोकने के लिए उपायुक्त अजय कुमार की तरफ से डयूटी मजिस्ट्रेट लगाए गए सुरेश चंद कौशिक ने अभिभावकों से आग्रह किया कि अभिभावक अपने बच्चों को समझाए कि परीक्षा के दौरान वह किसी भी तरह की नकल और पेपर लीक जैसे अनैतिक कार्यों से दूर रहे। पकड़ में आने पर उनके खिलाफ तुरंत पुलिस में मामला दर्ज होगा। नायबतहसीलदार और डयूटी मजिस्ट्रेट सुरेश चंद कौशिक ने दावा जताया कि सोहना क्षेत्र में विभिन्न स्कूलों में बनाए गए परीक्षा केन्द्रों पर शांतिपूर्वक व नकलरहित परीक्षाएं हो रही है।

बादाम का दूध पीने से हो सकते हैं कुछ नुकसान

बादाम का दूध कुछ लोगों में पेट से जुड़ी समस्या का कारण भी बन सकता है। दरअसल, बादाम के दूध में कैरेजीनन होता है, जो एक गाढ़ा करने वाला एजेंट है। इसे पचाना कुछ लोगों के लिए मुश्किल हो सकता है।

आज के समय में लोग दूध में लैक्टोज फ्री ऑप्शन चुनना पसंद करते हैं और ऐसे में वे बादाम के दूध का सेवन करते हैं। यह काफी लाइट होता है और इसका नटी टेस्ट होता है। शायद यही वजह है कि बादाम के दूध को ऐसे ही पीने के साथ-साथ कॉफी व स्मूदी में भी इस्तेमाल करते हैं। चूंकि, इसमें अक्सर रेग्युलर दूध की तुलना में कैलोरी कम होती है, इसलिए वजन कम करने की जद्दोजहद करने वाले लोगों के लिए यह एक अच्छा ऑप्शन है। लेकिन हर किसी के लिए बादाम का दूध पीना उतना सेहतमंद ऑप्शन नहीं है।

जबकि बादाम के दूध के अपने फ़ायदे हैं, इसके कुछ साइड इफ़ेक्ट भी हैं, जिन्हें बिल्कुल भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बादाम का दूध पीने से होने वाले कुछ नुकसान के बारे में बता रहे हैं-

थायराइड से जुड़ी समस्याएं

जिन लोगों को थायराइड की शिकायत होती है, उनके लिए बादाम का दूध पीना शायद उतना अच्छा ऑप्शन नहीं है। दरअसल, बादाम में गोइट्रोजन होते हैं, जिन्हें अगर बहुत अधिक मात्रा में लिया जाता है, तो यह थायराइड फ़ंक्शन को बाधित कर सकते हैं। इसलिए, थायराइड से पीड़ित व्यक्ति को हर दिन बादाम का दूध पीने या फिर इसे बहुत अधिक मात्रा में पीने से बचना चाहिए।

किडनी स्टोन का बढ़ सकता है रिस्क

बादाम का दूध किडनी स्टोन की समस्या के रिस्क को भी बढ़ा सकता है। दरअसल, बादाम में ऑक्सालेट होते हैं, जो कुछ लोगों में किडनी स्टोन के गठन में योगदान कर सकते हैं। इसलिए, जिन लोगों को पहले से ही किडनी स्टोन होने का खतरा है, उन्हें बादाम के दूध सहित बादाम से बने बहुत सारे प्रोडक्ट्स का सेवन करने से बचना चाहिए।

पेट से जुड़ी समस्या

बादाम का दूध कुछ लोगों में पेट से जुड़ी समस्या का कारण भी बन सकता है। दरअसल, बादाम के दूध में कैरेजीनन होता है, जो एक गाढ़ा करने वाला एजेंट है। इसे पचाना कुछ लोगों के लिए मुश्किल हो सकता है। ऐसे में कुछ लोगों को ब्लोटिंग, गैस या पेट में हल्की ऐंठन की शिकायत भी हो सकती है।

चेन्नई पर्यटन स्थल: दक्षिण भारत का सांस्कृतिक और ऐतिहासिक हब

“ महाबलीपुरम, चेन्नई से लगभग 60 किलोमीटर दूर स्थित एक ऐतिहासिक स्थल है, जो यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में जाना जाता है। यहां के रॉक कट मंदिर, समुद्र तट और अद्भुत वास्तुकला पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। ”

चेन्नई, जिसे पहले मद्रास के नाम से जाना जाता था, भारत के तमिलनाडु राज्य की राजधानी है और यह दक्षिण भारत का सबसे महत्वपूर्ण शहर है। चेन्नई की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, ऐतिहासिक स्थल, सुंदर समुद्र तट, और आधुनिक जीवनशैली इसे एक आकर्षक पर्यटन स्थल बनाते हैं। यह शहर न केवल अपने व्यापारिक महत्त्व के लिए जाना जाता है, बल्कि यहां के ऐतिहासिक मंदिरों, संगीत, नृत्य और काव्य कला के लिए भी प्रसिद्ध है। आइए जानते हैं चेन्नई के प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में।

1. महाबलीपुरम

महाबलीपुरम, चेन्नई से लगभग 60 किलोमीटर दूर स्थित एक ऐतिहासिक स्थल है, जो यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में जाना जाता है। यहां के रॉक कट मंदिर, समुद्र तट और अद्भुत वास्तुकला पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। विशेष रूप से ‘पंच रथ’ और ‘अरजुन की तपस्या’ जैसे स्थल यहाँ की ऐतिहासिक धरोहर को उजागर करते हैं।

2. कापालेश्वर मंदिर

चेन्नई में स्थित कापालेश्वर मंदिर एक प्रमुख हिंदू मंदिर है, जो भगवान शिव को समर्पित है। यह मंदिर अपनी वास्तुकला और शिल्प कला के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर के आसपास का वातावरण भक्तों को शांति और ध्यान की अनुभूति कराता है। यह मंदिर चेन्नई के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है।

3. सेंट थॉमस चर्च

सेंट थॉमस चर्च, जो चेन्नई के सेंट थॉमस माउंट पर स्थित है, एक ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल है। यह चर्च ईसाई धर्म के एक प्रमुख स्थल के रूप में पहचाना जाता है, क्योंकि कहा जाता है कि यहां सेंट थॉमस की ममी दफनाई गई थी। यहां का शांत वातावरण और ऐतिहासिक महत्व पर्यटकों को आकर्षित करता है।

4. विवेकानंद हाउस

विवेकानंद हाउस, जो चेन्नई के समुद्र तट के पास स्थित है, स्वामी विवेकानंद के जीवन और उनके योगदान को समर्पित एक संग्रहालय है। यहां आप स्वामी विवेकानंद के जीवन से जुड़ी महत्वपूर्ण घटनाओं और उनके कार्यों के बारे में जान सकते हैं। यह स्थान उन लोगों के लिए आदर्श है जो भारतीय संतों और उनके विचारों के बारे में अधिक जानना चाहते हैं।

5. अन्ना सलाई

अन्ना सलाई, जिसे मार्सल रोड भी कहा जाता है, चेन्नई का एक प्रमुख वाणिज्यिक क्षेत्र है। यहां पर विभिन्न व्यापारिक केंद्र, शॉपिंग मॉल्स, रेस्टोरेंट्स और कैफे हैं, जो इसे शॉपिंग और खाने-पीने के शौकिनों के लिए आदर्श स्थान बनाते हैं। यह क्षेत्र चेन्नई की आधुनिक जीवनशैली को दर्शाता है।

6. ईक्विनॉक्स बीच

चेन्नई के समुद्र तटों में एक प्रमुख नाम ईक्विनॉक्स बीच का है। यह बीच पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है क्योंकि यहाँ पर शांति और सुकून का अनुभव होता है। सुबह और शाम के समय समुद्र के पास घूमना या बैठना एक अद्भुत अनुभव होता है। यहां का वातावरण स्वच्छ और शांतिपूर्ण होता है, जो पर्यटकों को बहुत आकर्षित करता है।

7. वेलाचेरी झील

यदि आप प्रकृति से जुड़ना चाहते हैं, तो वेलाचेरी झील एक बेहतरीन स्थल है। यह एक शांत और सुंदर झील है, जहाँ आप पैदल चलने, बोटिंग करने या सिर्फ दृश्य का आनंद लेने के लिए आ सकते हैं। यह स्थल शहर के शोर-शराबे से दूर आराम और सुकून का अनुभव प्रदान करता है।

8. मरीना बीच

मरीना बीच, चेन्नई का सबसे प्रसिद्ध समुद्र तट है और यह भारत का दूसरा सबसे लंबा समुद्र तट है। यहां पर घूमने का अनुभव बहुत ही अद्भुत होता है। खासकर सुबह और शाम के समय यहाँ की हवा और समुद्र का दृश्य बहुत ही आकर्षक होता है। यहाँ के किनारे पर चलना, सूर्योदय और सूर्यास्त का नज़ारा देखना एक अविस्मरणीय अनुभव होता है।

9. चित्तारन मंदिर

चित्तारन मंदिर चेन्नई के पास स्थित एक प्रसिद्ध शिव मंदिर है। यह मंदिर अपनी अद्वितीय वास्तुकला और धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है। यहां भगवान शिव के नटराज रूप की पूजा की जाती है और यह स्थान भारतीय हिंदू धर्म के महत्वपूर्ण धार्मिक केंद्रों में से एक है।

10. कांची काचीयमंगलम

कांची काचीयमंगलम, जो चेन्नई से लगभग 70 किलोमीटर दूर है, तमिलनाडु का एक प्रमुख धार्मिक स्थल है। यहाँ के प्राचीन मंदिर और हस्तशिल्प उत्पादों के लिए कांची काचीयमंगलम प्रसिद्ध है। यह स्थल इतिहास और संस्कृति में रुचि रखने वाले पर्यटकों के लिए आदर्श है।

चेन्नई एक विविधताओं से भरा हुआ शहर है, जहां पर सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक स्थलों का एक बेहतरीन मिश्रण देखने को मिलता है। यहां का प्रत्येक स्थल अपनी अलग पहचान और आकर्षण से भरपूर है। चाहे आप धार्मिक स्थलों के दर्शनों के लिए जाएं या समुद्र के किनारे शांति का अनुभव करना चाहें, चेन्नई हर प्रकार के पर्यटकों के लिए आदर्श गंतव्य है।

उम्र के हिसाब से हीमोग्लोबिन का लेवल कितना होना चाहिए?

2-5 वर्ष के बच्चे में खून की मात्रा कितनी होनी चाहिए?

डॉक्टर और विशेषज्ञ हमेशा जरूरी मात्रा में स्वस्थ और पौष्टिक भोजन खाने की सलाह देते हैं. दरअसल, आहार से प्राप्त पोषण इम्यून सिस्टम और हमारे शरीर की सभी प्रणालियों के सुचारू रूप से कार्य करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है. आहार से मिलने वाले न्यूट्रिएंट्स और मिनरल्स जैसे कि आयरन, प्रोटीन, विटामिन और कैल्शियम आदि शरीर की सभी इंटरनल सिस्टम को सही और स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. साथ ही, इन न्यूट्रिएंट्स और कई आंतरिक शारीरिक गतिविधियों के कारण हमारे शरीर में कुछ खास तरह के तत्व और तरल पदार्थ भी बनते हैं, जो शरीर को अलग-अलग तरह से पूरी तरह स्वस्थ रखने में अपनी भूमिका निभाते हैं.

हीमोग्लोबिन भी एक तरह का प्रोटीन है जो रेड ब्लड सेल्स में पाया जाता है. खून में हीमोग्लोबिन की कमी एनीमिया यानी खून की कमी का संकेत माना जाता है. वहीं, अगर खून में हीमोग्लोबिन जरूरत से ज्यादा कम होने लगे तो इससे न सिर्फ हमारी शारीरिक और मानसिक गतिविधियां प्रभावित होती हैं बल्कि कई बार कम या ज्यादा गंभीर समस्याएं भी हो सकती हैं.

खून में हीमोग्लोबिन का आदर्श स्तर होना महत्वपूर्ण है

दिल्ली की पोषण विशेषज्ञ डॉ दिव्या शर्मा बताती हैं कि हीमोग्लोबिन हमारी रेड ब्लड सेल्स यानी (आरबीसी) में पाया जाने वाला महत्वपूर्ण प्रोटीन है, जो खून के माध्यम से हमारे पूरे शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाने का कार्य करता है. शरीर में जब हीमोग्लोबिन की मात्रा ज्यादा कम हो जाती है, तो शरीर के सभी अंगों, उत्तकों और कोशिकाओं में आवश्यक ऑक्सीजन की आपूर्ति बाधित होने लगती हैं. यह स्थिति कई रोगों तथा समस्याओं का कारण बन सकती हैं.

उम्र के हिसाब से हीमोग्लोबिन कितना होना चाहिए

डॉ. दिव्या बताती हैं कि पुरुष, महिला और बच्चों में इसकी आदर्श मात्रा अलग-अलग होती है, उदाहरण के लिए सामान्य स्थिति में नवजात शिशु में हीमोग्लोबिन का सामान्य स्तर 17.22 ग्राम/डीएल माना जाता है, जबकि बच्चों में यह 11.13 ग्राम/डीएल होता है. वहीं, एक वयस्क पुरुष के रक्त में हीमोग्लोबिन का आदर्श स्तर 14 से 18 ग्राम/डीएल और एक वयस्क महिला में 12 से 16 ग्राम/डीएल माना जाता है. वयस्कों में इस संख्या में एक या दो अंकों की कमी आमतौर पर बहुत गंभीर नहीं मानी जाती है, लेकिन अगर रक्त में हीमोग्लोबिन का स्तर 8 ग्राम या उससे नीचे चला जाए तो इसे चिंताजनक स्थिति माना जाता है. इस स्थिति में डॉक्टर से संपर्क करना बहुत जरूरी हो जाता है.

2 से 5 वर्ष के बच्चे में खून की मात्रा कितनी होनी चाहिए?

2 से 5 साल की उम्र के बच्चे में हीमोग्लोबिन का स्तर 11.5 से 13.5 ग्राम प्रति डेसीलिटर होना चाहिए. यह स्तर बच्चे के विकास और अच्छे स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है.

शरीर में एनीमिया के लक्षण

रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी या एनीमिया की समस्या होने पर पीड़ित लोगों में कई बार कम या ज्यादा तीव्रता में कुछ शारीरिक व मानसिक समस्याएं नजर आने लगती हैं. जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं.

लगातार या जल्दी जल्दी सिर दर्द होना

सांस फूलना तथा चक्कर आना
थकान और कमजोरी
शरीर में अकड़न महसूस होना
लो ब्लड प्रेशर या लो बीपी
शरीर में एनर्जी में कमी
चिड़चिड़ापन तथा घबराहट होना
सीने में दर्द
तेज या अनियमित दिल की धड़कन
खून की कमी
ज्यादा ठंड लगना और हाथ और पैर ठंडे होना
एकाग्रता में कमी
हड्डियों में कमजोरी
कमजोर इम्यूनिटी या इम्यूनिटी से संबंधित रोग

महिलाओं में मासिक धर्म के दौरान ज्यादा दर्द होना , आदि.

ये हैं खून की कमी के कारण

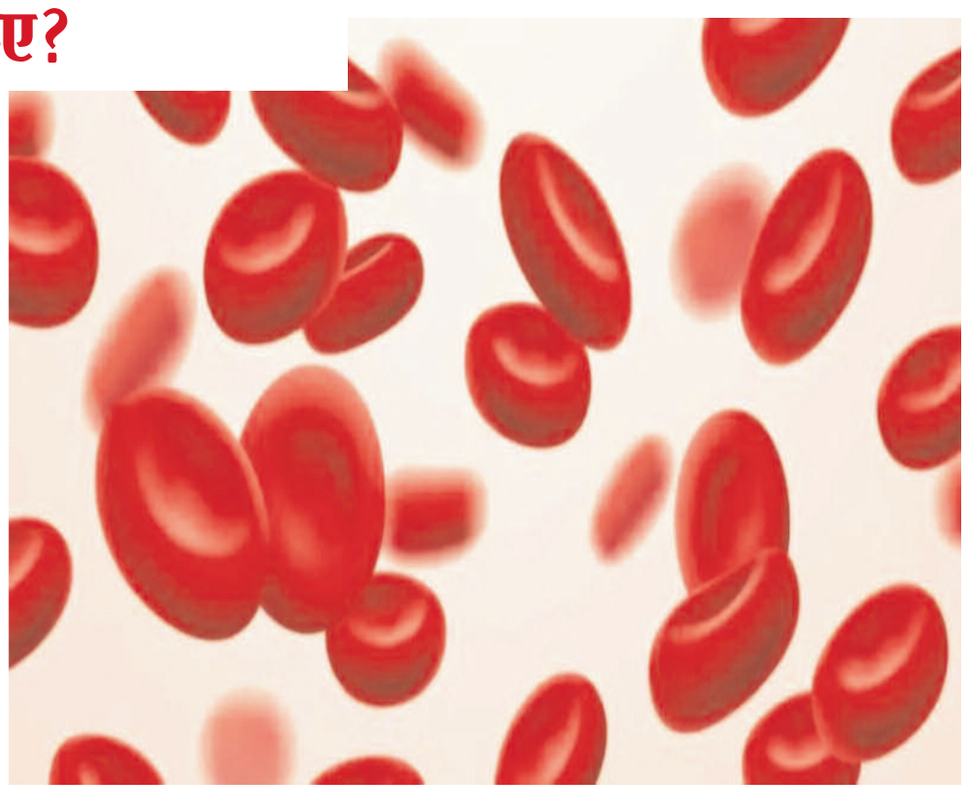

डॉ. दिव्या बताती हैं कि हमेशा शरीर में पोषण की कमी ही ब्लड में हीमोग्लोबिन कम होने का कारण नहीं होती. कई बार आनुवंशिक कारणों, सिकल सेल एनीमिया जैसी आनुवंशिक समस्याओं, कैंसर, थैलेसीमिया, किडनी की समस्याओं, लिवर की बीमारी जैसी कुछ बीमारियों या शारीरिक समस्याओं, ऑटोइम्यून बीमारी, बोन मैरो डिसऑर्डर और थायरॉयड रोग जैसी कुछ पुरानी स्वास्थ्य स्थितियों के कारण भी हीमोग्लोबिन का स्तर कम हो सकता है. इसके अलावा, जिन लोगों के ब्लड में हीमोग्लोबिन की मात्रा अपेक्षित संख्या से कम होती है, उन्हें कभी-कभी अवसाद, उदासीनता, उनींदापन और चिड़चिड़ापन और संज्ञानात्मक और तार्किक क्षमता में कमी जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ सकता है.

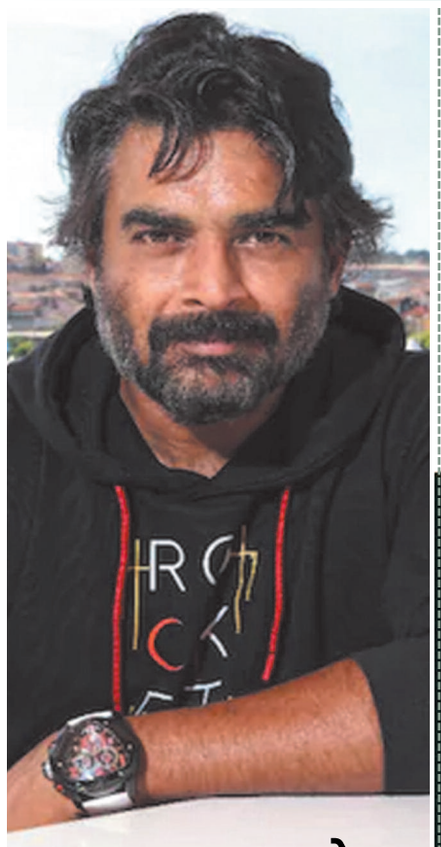

आर माधवन ने इंस्टाग्राम पर चैट करने की खबरों पर तोड़ी चुप्पी

आर माधवन फिल्मों में अपनी दमदार भूमिकाओं के लिए मशहूर हैं। अब उन्होंने हाल ही में सोशल मीडिया पर फैली गलतफहमियों को दूर किया, जिसमें कुछ लोगों का मानना था कि वह युवा लड़कियों के साथ छेड़खानी करते हैं। अभिनेता इन अफवाहों का खंडन करने और स्थिति को साफ करने के लिए आगे आए और इस मामले में अपनी बात सामने रखी। चेन्नई में एक एप के लॉन्च के दौरान आर माधवन ने सोशल मीडिया पर अपने साथ होने वाली बेवजह जांच के बारे में बात की। वह इस एप में निवेशक के तौर पर शामिल हुए हैं। उनके भाषण का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। सोशल मीडिया पर आने वाली चुनौतियों के बारे में बताते हुए माधवन ने एक उदाहरण साझा किया और कहा, एक युवा लड़की ने मुझे संदेश भेजा, मैंने यह फिल्म देखी। मुझे यह बहुत पसंद आई। मुझे लगा कि आप एक शानदार अभिनेता हैं, बहुत बढ़िया। आपने मुझे प्रेरित किया। इसके साथ ही उन्होंने दिल, किस और लव इमोजी भेजे।

अभिनेता ने क्यों किया फैन को रिप्लाई?

आर माधवन ने आगे कहा कि अब, जब कोई प्रशंसक मुझसे इतने विस्तार और प्यार से बात करता है तो मैं जवाब देने के लिए मजबूर महसूस करता हूं। मैं आमतौर पर जवाब देता हूं और मैंने ऐसा ही किया। मैंने उन्हें जवाब दिया और लिखा, बहुत-बहुत धन्यवाद, आप बहुत दयालु हैं। भगवान आपका भला करे। हालांकि, लड़की ने तब मेरे रिप्लाई का स्क्रीनशॉट लिया और इसे इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर दिया।

माधवन को करना पड़ा समस्या का सामना

अब लोग क्या देखते हैं? दिल, चुंबन और प्यार भरी बातें और मैडी ने इसका जवाब दिया है। मेरा इरादा उस पर जवाब देने का नहीं था। मेरा इरादा उसके संदेश का जवाब देने का था, लेकिन यह एक छोटी सी बात है, आप केवल उस प्रतीक को देखते हैं और कहते हैं ओह मैडी छोटी लड़कियों से बात कर रहा है। अगर मुझे यही डर है और मुझे हर बार सोशल मीडिया पर संदेश डालते समय इधर-उधर भागना पड़ता है तो क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि अगर मुझे मेरे अनुभव के साथ इस समस्या का सामना करना पड़ रहा है तो किसी दूसरे व्यक्ति को कितनी समस्या होगी?

इन अभिनेत्रियों के किरदार निभाना चाहती हैं अनन्या पांडे

अनन्या पांडे ने अपनी कई फिल्मों में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीता। हाल ही में अनन्या ने खुलासा किया कि वह करीना कपूर खान के किरदार पू और गीत को निभाना पसंद करेंगी। उन्होंने कहा कि वह करीना द्वारा निभाए गए किरदारों में से कुछ भी नहीं कर पाएंगी। अनन्या ने ये जवानी है दीवानी में दीपिका पादुकोण की भूमिका का भी नाम लिया। हाल ही में वोग इंडिया को दिए गए इंटरव्यू में अनन्या की फिल्म कॉल मी बे के डायरेक्टर कॉलिन डीकुन्हा ने जब उनसे पूछा कि वह कौन से किरदार निभाना चाहेंगी। जवाब में अनन्या ने करीना कपूर खान की फिल्म कभी खुशी कभी गम की पू और जब वी मेट की गीत का नाम लिया, जो उनके दिल के सबसे करीब हैं।

अनन्या ने कहा, मैं शायद करीना द्वारा किए गए काम का 0.1 प्रतिशत भी नहीं दे पाऊंगी, लेकिन वे बहुत मजेदार होंगे। अनन्या ने आगे कहा की वह चमेली में करीना की भूमिका, लक बाय चांस में कोंकणा सेन शर्मा और ये जवानी है दीवानी में दीपिका पादुकोण के किरदार को निभाने की चाहत रखती हैं। इसी इंटरव्यू के दौरान अनन्या पांडे की फिल्म गहराइयां के निर्देशक शकुन बत्रा ने उनसे उनके ड्रीम रोल के बारे में पूछा। उन्होंने बताया कि वह बायोपिक करना पसंद करेंगी। उन्होंने बताया कि उन्हें द क्राउन और स्पेंसर में प्रिंसेस डायना के किरदार देखने में मजा आया। अनन्या ने कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं कभी ऐसा कर पाऊंगी, लेकिन मुझे मधुबाला, मीना कुमारी और वहीदा रहमान जैसी 50 और 60 के दशक की मशहूर अभिनेत्रियों का किरदार निभाना की इच्छा है। काम की बात करें तो अनन्या पांडे कथित तौर पर केसरी चैप्टर 2- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ जलियांवाला बाग में नजर आ सकती हैं। इस फिल्म में अनन्या के अलावा अक्षय कुमार और आर माधवन भी नजर आएं।

सिकंदर की राह बॉक्स ऑफिस पर नहीं होगी आसान.....

सलमान खान ईद पर अपने फैंस को ईदी देने वाले हैं. उनकी फिल्म सिकंदर ईद के मौके पर रिलीज होने जा रही है. सिकंदर का हाल ही में टीजर रिलीज हुआ है जिसके बाद से बवाल कट गया है. फैंस सिकंदर के रिलीज होने का इंतजार कर रहे हैं. सलमान खान को ईद पर छाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी क्योंकि उनके सामने रिकॉर्ड बनाना थोड़ा मुश्किल है. उन्हें कई फिल्मों को पछाड़ना होगा. आइए आपको बताते हैं कि सलमान खान की सिकंदर के लिए कौन-सी फिल्म के रिकॉर्ड मुश्किल खड़ी करेंगे.

बॉक्स ऑफिस पर इनका करना पड़ेगा सामना

सलमान खान की सिकंदर को ओपनिंग डे पर रिकॉर्ड बनाना है तो उन्हें ये 10 चैलेंज का सामना करना पड़ेगा. जिसमें पहले नंबर पर शाहरुख खान की जवान है. जवान ने पहले दिन 75 करोड़ का कलेक्शन किया था. अगर सिकंदर को नंबर 1 पर जगह बनानी है तो उन्हें जवान का रिकॉर्ड तोड़ना होगा.

पठान, स्त्री 2, एनिमल भी पड़ेगी भारी

दूसरे नंबर पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाली पठान है. जिसने 57 करोड़ का कलेक्शन किया था. तीसरे नंबर पर स्त्री 2 64.80 करोड़, चौथे नंबर पर एनिमल 63.80 करोड़, पांचवें नंबर पर सलमान की अपनी फिल्म टाइगर 3 44.50 करोड़ और छठे नंबर पर अजय देवगन की सिंघम अगेन 43.70 करोड़ के साथ है. उसके बाद सातवें नंबर पर गदर 2 40.10 करोड़ के साथ, आठवें नंबर पर आदिपुरुष 37.25 करोड़, नौवें नंबर ब्रह्मास्त्र 37 करोड़, दसवें नंबर पर भूल भुलैया 3 36.60 करोड़ और ग्यारहवें नंबर पर छावा 33.10 करोड़ के साथ है. अगर सलमान खान को ओपनिंग डे पर रिकॉर्ड बनाना है तो इन सभी फिल्मों से ज्यादा कमाई करनी पड़ेगी. सिकंदर की बात करें तो सलमान खान के साथ फिल्म में रश्मिका मंदाना लीड रोल में नजर आने वाली हैं. इस फिल्म को एआर मुरुगदास ने डायरेक्ट किया है.

सलमान खान की फिल्म सिकंदर सिनेमाघरों पर रिलीज होने के लिए तैयार है. फिल्म ईद के मौके पर रिलीज होगी. सिकंदर से फैंस को काफी उम्मीदें हैं.....
लेकिन बॉक्स ऑफिस पर बहुत मेहनत करनी पड़ेगी.

अंजलि आनंद ने फिल्म इंडस्ट्री के भेदभाव पर बात की, 'डब्बा कार्टेल' में शबाना आजमी संग की एक्टिंग

अंजलि आनंद ने टीवी सीरियल, फिल्म और वेब सीरीज जैसे सभी मीडियम में काम किया है। अलग-अलग किरदार और जॉनर के प्रोजेक्ट्स का हिस्सा रही हैं। लेकिन उनकी एक्टिंग को सराहने की बजाय उनको बस एक प्लस साइज एक्ट्रेस के तौर पर ही पहचाना जा रहा है। ऐसे में अंजलि का कहना है कि ऐसा सिर्फ फीमेल एक्ट्रेस के साथ होता है, हीरो या मेल एक्टर्स के साथ ऐसी सिचुएशन क्रिएट नहीं होती है।

एक्टर्स को कोई प्लस साइज नहीं बोलता

हाल ही में फीवर एफएम को दिए गए हालिया इंटरव्यू में अंजलि आनंद बताती हैं कि कभी किसी ने गोविंदा को, ऋषि कपूर जी को नहीं कहा कि वे प्लस साइज एक्टर हैं। लेकिन एक महिला कलाकार को आसानी से प्लस साइज एक्ट्रेस कहा जाता है। मुझे भी अंजलि आनंद प्लस साइज एक्ट्रेस के तौर पर भी जाना जाता है।' इस बात के जरिए अंजलि ने इंडस्ट्री के भेदभाव वाले व्यवहार से परदा उठाया है। अंजलि आनंद एक उम्दा एक्ट्रेस हैं, उन्हें वेब सीरीज 'डब्बा कार्टेल' में शबाना आजमी, ज्योतिका, शालिनी पांडे और निमिषा सजयन जैसी एक्ट्रेस के साथ काम करने का मौका मिला है।

डब्बा कार्टेल में अंजलि का रोल

डब्बा कार्टेल की स्टोरी ऐसी महिलाओं के इर्द-गिर्द घूमती है जो एक ड्रग माफिया चला रही होती हैं, लेकिन आम लोग उन्हें सिर्फ टिफिन सर्विस देने वाली महिलाएं समझते हैं। शो का हल्का-फुल्का अंदाज तो दिखाई देता है, लेकिन इसमें दिखाया गए अपराध और माफिया की दुनिया रोचक है। इस वेब सीरीज में अंजलि ने भी एक आम सी दिखने वाली महिला का रोल किया है, लेकिन वह भी ड्रग माफिया का हिस्सा हैं।

इसलिए शाहिद को नहीं मिली थी एनिमल, निर्देशक संदीप ने की तारीफ

फिल्म निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा ने अपनी फिल्म एनिमल के बारे में बताया है कि उन्होंने इस फिल्म में शाहिद कपूर के बजाए रणबीर कपूर को क्यों लिया था। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा है कि शाहिद ने कबीर सिंह में बेहतरीन प्रदर्शन किया था लेकिन वह एनिमल के लिए रणबीर के साथ अलग काम करना चाहते थे।

इसलिए संदीप ने शाहिद के बजाए रणबीर को चुना

गेम चेंजर्स के साथ बातचीत में संदीप रेड्डी वांगा ने बताया कि शाहिद का नाम उनके पास नहीं आया। क्योंकि एनिमल एक भावनात्म कहानी थी इसलिए उनके दिमाग में रणबीर कपूर का नाम आया। इसी इंटरव्यू में संदीप रेड्डी ने कबीर सिंह में बेहतरीन काम करने के लिए उनकी तारीफ की। उन्होंने बताया कि उनके साथ काम करने पर उन्हें तजुर्बा मिला। उन्होंने कहा कि शाहिद रीमेक में काम करने के लिए बहुत इच्छुक थे। चूंकि कबीर सिंह एक रीमेक फिल्म थी, इसलिए इस पर कम चर्चा हुई।

मौलिक अभिनेता हैं शाहिद कपूर

संदीप ने शाहिद के बारे में बताया कि वह एक मौलिक अभिनेता हैं इसलिए उन्हें रीमेक फिल्मों में काम नहीं करना चाहिए। शाहिद के साथ काम करने को लेकर संदीप ने कहा, हमने एक सीन को 90 मिनट में पूरा कर लिया जो स्क्रिप्ट में नहीं था और हमने इसे शूट करने की योजना नहीं बनाई थी, लेकिन जब लाइट शिफ्ट हुई, तो शाहिद से मैंने पूछा कि इसमें कितना वक्त लगेगा। उन्होंने कहा कि एक घंटा, तो मैंने कहा, शाहिद, एक घंटा क्यों बर्बाद कर रहे हो? चलो इसे शूट करते हैं। इसके बाद शाहिद ने इसे बिना वक्त गंवाए शूट कर दिया। तभी मुझे एहसास हुआ कि शाहिद जैसे अभिनेता को रीमेक नहीं करना चाहिए- वह मौलिक अभिनेता हैं। मैंने उन्हें कई बार यह बात बताई।

कबीर सिंह विजय देवरकोंडा और शालिनी पांडे की तेलुगु ब्लॉकबस्टर अर्जुन रेड्डी की हिंदी रीमेक थी। 2019 की कबीर सिंह में शाहिद कपूर ने कियारा आडवाणी के साथ सह-अभिनय किया। संदीप रेड्डी वांगा ने फिल्म एनिमल का भी निर्देशन किया है।

दीपिका कक्कड़ ने बीच में छोड़ा 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ', सोशल मीडिया पर हो रही हैं ट्रोल?

एक लंबे गैप के बाद टीवी एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ ने छोटे पर्दे पर वापसी की। वह कुकिंग रियालिटी शो 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' में नजर आईं, अपने कुकिंग का टैलेंट भी दर्शकों को दिखाया। लेकिन अचानक कुछ दिन पहले ही दीपिका कक्कड़ ने कुकिंग रियालिटी शो छोड़ दिया। शो छोड़ने का जो कारण दीपिका ने बताया है, उस पर कुछ सोशल मीडिया यूजर्स को भरोसा नहीं है। वह दीपिका को झूठ बोलकर शो छोड़ने के लिए ट्रोल कर रहे हैं। पिछले दिनों टीवी एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ ने यह कहकर 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' शो बीच में छोड़ दिया कि उनके हाथों में काफी दर्द है और वह शो में आगे हिस्सा नहीं ले सकती हैं। शो से बाहर आने के बाद दीपिका अपने पति शोएब इब्राहिम के साथ वैकेशन पर भी निकल गईं। साथ ही वह अपने बच्चे की भी अच्छी केयर करती दिखीं। ये सभी वीडियो सोशल मीडिया पर भी पोस्ट हुए। ऐसे में सोशल मीडिया यूजर्स ने दीपिका को ट्रोल किया कि वह झूठ बोलकर शो से बाहर आई हैं। वह आसानी से हाथों में कैमरा उठा रही हैं और व्लॉगिंग कर रही हैं।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक अमृता आर पंडित द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, बी- 868, न्यू अशोक नगर दिल्ली 110096 से मुदित तथा ए-115, गली नंबर 13, नई अशोक नगर, दिल्ली 110096 से प्रकाशित।
संपादक - अमृता आर पंडित, मो 8587969284, Mail ID - live18newsnetworktv@gmail.com सभी विवादों के न्याय क्षेत्र दिल्ली न्यायालय में होगा।